5

EPISTOLA
D. JOHANNIS,
APOSTOLI
&
EVANGELISTÆ,
CATHOLICA PRIMA,
SYRIACE,

Juxta exemplar Cotheníenſe, qvod eſt
B. MART. TROSTI,
Adjunćto è regione charaćtere Ebræo,
itemq́; Verſione Latinâ,
In Uſum Philo-Syrorum tyronum
ſeorſum excuſa

Editore

ANDREA SENNERTO, P.P.
in Academiâ VVittenberg.

NAPOLI

Typis & Sumptibus JOBI VVILHELMI FINCELII,

ANNO cIɔ Iɔc LII.

Digitized by Google

ܐܓܪܬܐ ܕܝܘܚܢܢ ܫܠܝܚܐ ܀

܀ ܩܦܠܐܘܢ ܐ ܀

1. ܡܣܒܪܝܢܢ ܠܟܘܢ ܠܗܘ
ܕܐܝܬܘܗܝ ܗܘܐ ܡܢ ܒܪܫܝܬ. ܗܘ
ܕܫܡܥܢ ܘܚܙܝܢܝܗܝ ܒܥܝܢܝܢ. ܚܙܝܢ
ܘܓܫܢ ܒܐܝܕܝܢ. ܗܘ ܕܐܝܬܘܗܝ ܡܠܬܐ
ܕܚܝܐ. 2 ܘܚܝܐ ܐܬܓܠܝܘ. ܘܚܙܝܢ
ܘܣܗܕܝܢܢ. ܘܡܟܪܙܝܢܢ ܠܟܘܢ ܚܝܐ
ܕܠܥܠܡ. ܗܢܘܢ ܕܐܝܬܝܗܘܢ ܗܘܘ
ܠܘܬ ܐܒܐ ܘܐܬܓܠܝܘ ܠܢ. 3 ܘܡܕܡ
ܕܚܙܝܢ ܘܫܡܥܢ ܡܘܕܥܝܢܢ ܐܦ ܠܟܘܢ.
ܕܬܗܘܐ ܠܟܘܢ ܫܘܬܦܘܬܐ ܥܡܢ.
ܘܫܘܬܦܘܬܢ ܕܝܢ ܕܝܠܢ ܐܝܬܝܗ: ܥܡ
ܐܒܐ ܘܥܡ ܒܪܗ ܝܫܘܥ ܡܫܝܚܐ. 4
ܘܗܠܝܢ ܟܬܒܝܢܢ ܠܟܘܢ: ܕܚܕܘܬܢ

אִגַרְתָא דְיוחַנָן שְׁלִיחָא:

קפלאון.א

1. מְסַבְּרִינַן לכון לְהַו
דְאִיתַוהִי הְוָא מִן בְּרֵשִׁית
הַו דַשְׁמַעַן וַחְזַיְנָיהִי בְעַיְנַין
חְזַין וגַשְׁן בְאִידַין הַו
דְאִיתַוהִי מֶלְתָא דְחַיֵא:
2. וְחַיֵא אֶתְגְלִיו וַחְזַין
וְסָהְדִינַן וּמַכְרְזִינַן לכון
חַיֵא דַלְעָלַם הָנֵין
דְאִיתֵיהוֹן הְוַו לְוָת אַבָא
וְאֶתְגְלִיו לַן:
3. וּמְדֶם דַחְזַין וַשְׁמַעַן מ
מַוְדְעִינַן אָף לכון דְתֶהְוֵא
לְכוֹן שַׁותָפוּתָא עַמַן
וַשׁוּתָפוּתַן דֵין דִילַן אִיתֵיה
עַם אַבָא וְעַם ברה יֵשׁוּע
מְשִׁיחָא:
4. וְהָלֵין כָתְבִינַן ל
לְכוֹן דַחְדוּתַן רב

EPISTOLA JUCHANON APOSTOLI.

Caput I.

ANnunciamus vobis id qvod erat à principio, qvod audivimus & vidimus oculis noſtris, qvod aſpeximus, & palpavimus manibus noſtris, illud qvod eſt verbum vitæ. 2 [Et vita manifeſtata eſt, & vidimus, & teſtamur, ac prædicamus vobis vitam qvæ eſt in æternum, qvæ erat apud Patrem, & revelata eſt nobis] 3. Et id qvod vidimus & audivimus, ac nunciamus etiam vobis, ut ſit vobis ſocietas nobiſcum. ſocietas autem noſtra eſt cum Patre & cum Filio ejus Jeſchua Chriſto. 4. Et hæc ſcribimus vobis, ut gaudium noſtrum

A 2 qvod

by Google

ܕܒܟܘܢ ܬܗܘܐ ܡܫܡܠܝܐ. 5 ܘܗܕܐ ܗܝ
ܣܒܪܬܐ ܕܫܡܥܢ ܡܢܗ. ܘܡܣܒܪܝܢܢ
ܠܟܘܢ ܕܐܠܗܐ ܢܘܗܪܐ ܗܘ. ܘܚܫܘܟܐ
ܟܠ ܟܠܗ ܠܝܬ ܒܗ. 6 ܘܐܢ ܐܡܪܝܢܢ
ܕܫܘܬܦܘܬܐ ܐܝܬ ܠܢ ܥܡܗ ܘ
ܘܡܗܠܟܝܢܢ ܒܚܫܘܟܐ: ܕܓܠܐ ܚܢ
ܚܢܢ ܘܠܐ ܒܫܪܪܐ ܕܝܢܢ. 7 ܐܢ ܕܝܢ
ܒܢܘܗܪܐ ܡܗܠܟܝܢܢ ܐܝܟ ܕܗܘ
ܐܝܬܘܗܝ ܒܢܘܗܪܐ: ܐܝܬ ܠܢ ܫܘܬܦܘܬܐ
ܥܡ ܚܕܕܐ: ܘܕܡܐ ܕܝܫܘܥ ܒܪܗ ܡܕܟܐ
ܠܢ ܡܢ ܟܠܗܘܢ ܚܛܗܝܢ. 8 ܘܐܢ ܢܐܡܪ
ܕܠܝܬ ܠܢ ܚܛܝܬܐ ܢܦܫܢ ܡܛܥܝܢܢ.
ܘܫܪܪܐ ܠܝܬ ܒܢ. 9 ܐܢ ܕܝܢ ܡܘܕܝܢܢ
ܒܚܛܗܝܢ: ܡܗܝܡܢ ܗܘ ܘܙܕܝܩ
ܕܢܫܒܘܩ ܠܢ ܚܛܗܝܢ. ܘܢܕܟܝܢ ܡܢ
ܟܠܗ ܥܘܠܢ. 10 ܘܐܢ ܐܡܪܝܢ ܕܠܐ
ܚܛܝܢ: ܥܒܕܝܢܢ ܠܗ ܕܓܠܐ. ܘܡܠܬܗ
ܠܝܬ ܠܘܬܢ ܀

דבכון תהוא משמליא:
5. והדא הי סברתא
דשמען מנה ומסברינן
לכון דאלהא נוהרא הו
וחשוכא כל כלה לית
בה:
6. ואן אמרינן דשותפותא
איתֿ לן עמה ומהלכינן ב
בחשוכא דגלא חנן ולא ב
בשררא דינן:
7. אן דין בנוהרא מהלכינן
איך דהו איתוהי בנוהרא
איתֿ לן שותפותא עם
חדדא ודמא דישוע ברה
מדכא לן מן כלהון חטהין:
8. ואן נאמר דלית לן
חטיתא נפשן מטעינן
ושררא לית בן:
9. אן דין מודינן בחטהין
מהימן הו וזדיק דנשבוק
לן חטהין ונדכין מן כלה
עולן:
10. ואן אמרינן דלא חטין
עבדינן לה דגלא ומלתה
לית לותן:

quod gaudium in vobis, ſit completum 5. Et hæc eſt annunciatio, quam audivimus ab eo, & annunciamus vobis quod Deus lux eſt, & tenebræ prorſus nullæ ſunt in eo. 6. Et ſi dicamus qvod ſocietas ſit nobis cum eo, & ambulamus in tenebris, mendaces ſumus, & non per veritatem incedimus. 7. Si autem in luce ambulamus, ſicut ipſe eſt in luce, ſocietas eſt nobis invicem: & ſangvis Jeſchua Filii ejus purificat nos ab omnibus peccatis. 8. Et ſi dixerimus qvod non eſt nobis peccatum, noſipſos ſeducimus, & veritas non eſt in nobis. 9. Si vero confitemur peccata, fidelis eſt & juſtus, ut remittat nobis peccata, & purificet nos ab omni iniquitate noſtra. 10. Et ſi dixerimus, qvod non peccavimus, facimus eum mendacem, & ſermo ejus non eſt apud nos.

CAPUT

܀ ܩܦܠܐܘܢ ܒ ܀

1. ܒܢܝ̈: ܗܠܝܢ ܟܬܒ ܐܢܐ ܠܟܘܢ
ܕܠܐ ܬܚܛܘܢ. ܘܐܢ ܐܢܫ ܢܚܛܐ: ܐܝܬ
ܠܢ ܦܪܩܠܝܛܐ ܠܘܬ ܐܒܐ: ܝܫܘܥ
ܡܫܝܚܐ ܙܕܝܩܐ. 2 ܗܘܝܘ ܓܝܪ ܚܘܣܝܐ ܕܥܠ
ܐܦܝ ܚܛܗܝ̈ܢ. ܘܠܘ ܚܠܦܝܢ
ܕܝܠܢ ܒܠܚܘܕ: ܐܠܐ ܐܦ ܚܠܦ ܟܠܗ
ܥܠܡܐ. 3 ܘܒܗܕܐ ܡܪܓܫܝܢܢ
ܕܝܕܥܢܝܗܝ: ܐܢ ܢܛܪܝܢܢ
ܦܘܩܕܢܘܗܝ. 4 ܗܘ
ܓܝܪ ܕܐܡܪ ܕܝܕܥܬܗ ܘܦܘܩܕܢܘܗܝ
ܠܐ ܢܛܪ: ܕܓܠܐ ܗܘ ܘܫܪܪܐ ܠܝܬ ܒܗ. 5
ܗܘ ܕܝܢ ܕܢܛܪ ܡܠܬܗ: ܒܗܢܐ ܡܫܡܠܝܐ
ܫܪܝܪܐܝܬ ܚܘܒܗ ܕܐܠܗܐ. ܒܗܕܐ ܓܝܪ
ܝܕܥܝܢܢ ܕܒܗ ܚܢܢ. 6 ܗܘ ܕܐܡܪ ܕܒܗ
ܐܝܬܘܗܝ: ܘܠܐ ܠܗ ܕܐܝܟ ܗܠܟܬܗ ܕܝܠܗ
ܢܗܠܟ. 7 ܚܒܝܒܝ̈ ܠܘ ܦܘܩܕܢܐ ܚܕܬܐ
ܟܬܒ ܐܢܐ ܠܟܘܢ. ܐܠܐ ܦܘܩܕܢܐ ܥܬܝܩܐ.

קפלאון ב

1. בני הלין כתב אנא לכון
דלא תחטון ואן אנש
נחטא אית לן פרקליטא
לות אבא ישוע משיחא
זדיקא:
2. הויו גיר חוסיא דעל
אפי חטהין ולו חלפין
דילן בלחוד אלא אף חלף
כלה עלמא:
3. ובהדא מרגשינן
דידעניהי אן נטרינן
פוקדנוהי:
4. הו גיר דאמר דידעתה ו
ופוקדנוהי לא נטר דגלא
הו ושררא לית בה:
5. הו דין דנטר מלתה
בהנא משלם שריראית
חובה דאלהא בהדא
גיר ידעינן דבה חנן:
6. הו דאמר דבה איתי
ולא לה דאיך הלכתה
דילה נהלך:
7. חביבי לו פוקדנא
חדתא כתב אנא לכון
אלא פוקדנא עתיקא

JUCHANON APOSTOLI

CAPUT II.

1 Filioli mei, hæc ſcribo vobis, ne peccetis, & ſi qvis peccaverit, eſt nobis advocatus apud Patrem, Jeſhua Chriſtus, juſtus. 2. Ipſe enim eſt propitiatio pro peccatis [illegible] ceterum, [illegible] pro [illegible] mundi. 3. Et in hoc ſcimus qvod cognoſcimus eum, ſi obſervamus mandata ejus. 4. Is enim qvi dicit, Novi eum, & mandata ejus non ſervat, mendax eſt, & veritas in eo non eſt. 5. Qvi vero ſervat ſermonem ejus, in eo [illegible] Dei, in hoc enim cognoſcimus qvod in eo ſumus. 6. Is qvi dicit, In eo ſum, [illegible] ejus ambulet. 7. Dilecti mei, non mandatum novum ſcribo vobis, ſed mandatum [illegible]

הו ראית הוא לכון מן ברישית פוקדנא דין עתיקא איתוהי מלתא הי דשמעתון ׃

8. תוב פוקדנא חדתא כתב אנא לכון הו ראיתיהי שרירא בה ובכון דחשוכא עבר לה ונוהרא שרירא שרי מתחזא ׃

9. מן דאמר הכיל דאיתוהי בנוהרא וסני לאחוהי בחשוכא איתוהי עדמא להשא ׃

10. הו דרחם לאחוהי בנוהרא מכתר וכשלא לית בה ׃

11. הו דין דסנא לאחוהי בחשוכא איתוהי וב ובחשוכא מהלך ולא ידע לאיכא אזל מטל דחשוכא סמי אנון עינוהי ׃

12. כתב אנא לכון בניא דאשתבקו לכון חטהיכון מטל שמה ׃

13. כתב אנא לכון אבהא דידעתוניחי

ܗܘ̇ ܕܐܝܬ ܗܘܐ ܠܟܘܢ ܡܢ ܒܪܫܝܬ. ܦܘܩܕܢܐ ܕܝܢ ܥܬܝܩܐ ܐܝܬܘܗܝ ܡܠܬܐ ܗܝ̇ ܕܫܡܥܬܘܢ. 8 ܬܘܒ ܦܘܩܕܢܐ ܚܕܬܐ ܟܬܒ ܐܢܐ ܠܟܘܢ. ܗܘ̇ ܕܐܝܬܘܗܝ ܫܪܝܪܐ܆ ܒܗ ܘܒܟܘܢ. ܕܚܫܘܟܐ ܥܒܪ ܠܗ. ܘܢܘܗܪܐ ܫܪܝܪܐ ܫܪܝ ܡܬܚܙܐ. 9 ܡܢ ܕܐܡܪ ܗܟܝܠ ܕܐܝܬܘܗܝ ܒܢܘܗܪܐ ܘܣܢܐ ܠܐܚܘܗܝ܆ ܒܚܫܘܟܐ ܐܝܬܘܗܝ ܥܕܡܐ ܠܗܫܐ. 10 ܗܘ ܕܪܚܡ ܠܐܚܘܗܝ ܒܢܘܗܪܐ ܡܟܬܪ. ܘܟܫܠܐ ܠܝܬ ܒܗ. 11 ܗܘ ܕܝܢ ܕܣܢܐ ܠܐܚܘܗܝ܆ ܒܚܫܘܟܐ ܐܝܬܘܗܝ ܘܒܚܫܘܟܐ ܡܗܠܟ܆ ܘܠܐ ܝܕܥ ܠܐܝܟܐ ܐܙܠ. ܡܛܠ ܕܚܫܘܟܐ ܥܡܝ ܐܢܘܢ ܠܥܝܢܘܗܝ. 12 ܟܬܒ ܐܢܐ ܠܟܘܢ ܒܢܝܐ. ܕܐܫܬܒܩܘ ܠܟܘܢ ܚܛܗܝܟܘܢ ܡܛܠ ܫܡܗ. 13 ܟܬܒ ܐܢܐ ܠܟܘܢ ܐܒܗܐ܆ ܕܝܕܥܬܘܢܝܗܝ

qvod erat vobis à principio, mandatum autem vetus, eſt ſermo qvem audiviſtis. 8. Rurſum mandatum novum ſcribo vobis, qvod eſt verum in ipſo & in vobis, qvod tenebræ tranſiverunt, & lumen verum incipit eſſe conſpicuum. 9. Qvi dicit igitur qvod eſt in luce, & odit fratrem ſuum, in tenebris eſt usqve adhuc. 10. *Qvi diligit fratrem ſuum, in luce manet, & offendiculum non eſt in eo. 11. Qvi autem odit fratrem ſuum, in tenebris eſt, & in tenebris ambulat, & neſcit qvo eat, qvia tenebræ excæcârunt ipſos oculos ejus. 12. Scribo vobis, filii, qvòd remiſſa ſunt vobis peccata veſtra propter nomen ejus. 13. Scribo vobis, patres, qvia noviſtis eum qvi fuit

ܠܗܘ ܕܐܝܬܘܗܝ ܗܘܐ ܡܢ ܒܪܫܝܬ.
ܟܬܒ ܐܢܐ ܠܟܘܢ ܥܠܝܡܐ ܕ
ܙܟܝܬܘܢܝܗܝ ܠܒܝܫܐ. ܟܬܒܬ ܠܟܘܢ
ܛܠܝܐ ܕܝܕܥܬܘܢ ܠܐܒܐ. 14 ܟܬܒܬ
ܠܟܘܢ ܐܒܗܐ ܕܝܕܥܬܘܢ ܠܗܘ ܕܡܢ
ܒܪܫܝܬ. ܟܬܒܬ ܠܟܘܢ ܥܠܝܡܐ
ܕܚܝܠܬܢܝܢ ܐܢܬܘܢ. ܘܡܠܬܗ ܕܐܠܗܐ
ܩܝܡܐ ܒܟܘܢ. ܘܙܟܝܬܘܢܝܗܝ ܠܒܝܫܐ.
15 ܠܐ ܬܪܚܡܘܢ ܥܠܡܐ ܘܠܐ ܡܕܡ ܕܐܝܬ
ܒܗ. ܡܢ ܓܝܪ ܕܪܚܡ ܠܥܠܡܐ:
ܚܘܒܗ ܕܐܒܐ ܠܝܬ ܒܗ. 16 ܟܠ ܡܕܡ
ܓܝܪ ܕܐܝܬ ܒܗ ܒܥܠܡܐ ܪܓܬܐ ܗܝ
ܕܦܓܪܐ. ܘܪܓܬܐ ܗܝ ܕܥܝܢܐ ܘܫܘܒܗܪܐ
ܕܥܠܡܐ. ܗܠܝܢ ܠܐ ܗܘܝ ܡܢ ܐܒܐ.
ܐܠܐ ܡܢܗ ܐܢܝܢ ܡܢ ܥܠܡܐ. 17 ܘܥܠܡܐ
ܥܒܪ ܗܘ ܘܪܓܬܗ. ܗܘ ܕܝܢ ܕܥܒܕ
ܨܒܝܢܗ ܕܐܠܗܐ ܩܐܡ ܠܥܠܡ. 18
ܒܢܝ: ܙܒܢܐ ܗܘ ܐܚܪܝܐ. ܘܐܝܟ ܡܕܡ

לְהַו דְאִיתַוהִי הֲוָא מִן
ברישית כְּתַב אֲנָא לְכוֹן
עלִימא דַזכִּיתוּנָיהִי ל
לבִישא כְּתַבְת לכון טַלְיא
דידעתון לַאבָא :
14. כְּתַבְת לכון אֲבָהָא
דידעתון להו דמִן ברישית
כתבת לכון עלִימא ד
דחילתָנִין אנתון ומלתה
דאלָהָא שְׁרִיָא בכון
וַזכִּיתוּנָיהִי לבִישָׁא :
15. לָא תרחמון עלְמָא
ולָא מִדֶם דאית בה מַן
גִּיר דרָחֵם לְעָלְמָא חובה
דַאבָא לַית בֵּה :
16. כל מדם גיר דְאית בה
בעָלְמָא רגִתָא הו דפגְרָא
ורגִתָא הו דעינָא וש
ושיבהרא דעָלְמָא הלין
דלָא הוַי מִן אבא אלָא
מִנה אנין מן עלְמָא :
17. ועָבַר עלְמָא הו ורגתה
הו דין דעָבֵד צבִינֵה
דאלָהָא מְקַיא לְעָלָם :
18. בְּנַי זַבְנָא הו אחרָיא
ואיך מִדֶם

JUCHANON APOSTOLI. Cap. II.

qvi fuit a principio. Scribo vobis adoleſcentes, qvod vicistis ipſum Malum. Scripſi vobis, pueruli, qvod noviſtis Patrem. 14. Scripſi vobis, patres, qvod noviſtis eum qui eſt a principio. Scripſi vobis adoleſcentes, qvod fortes eſtis, & ſermo Dei habitat in vobis, & viciſtis ipſum Malum. 15. Ne diligite mundum, atqve qvicqvam qvod eſt eo: qvi enim diligit mundum, charitas Patris non eſt in eo. 16. Qvicqvid enim eſt in ipſo mūdo, concupiſcentia eſt corporis, & concupiſcentia eſt oculorum, & ſuperbia mundi: qvæ non ſunt a Patre, ſed ſunt ab ipſo mūdo. 17. Et tranſit mūdus, & concupiſcentia eius: qui autem facit voluntatem Dei, manet in æternum. 18. Filii mei, tempus eſt ultimum: & qvemadmodum audi-

ܕܫܡܥܬܘܢ ܕܐܬܐ ܡܫܝܚܐ ܕܓܠܐ܆ ܘܗܫܐ
ܗܘܘ ܣܓܝܐܐ ܡܫܝܚܐ ܕܓܠܐ܆ ܘܡܢ
ܗܕܐ ܝܕܥܝܢܢ ܕܙܒܢܐ ܗܘ ܐܚܪܝܐ. 19 ܡܢܢ
ܢܦܩܘ ܐܠܐ ܠܘ ܡܢܢ ܗܘܘ. ܐܠܘ ܓܝܪ
ܡܢܢ ܗܘܘ ܠܘܬܢ ܡܟܬܪܝܢ ܗܘܘ ܐܠܐ
ܢܦܩܘ ܡܢܢ܆ ܕܢܬܝܕܥ ܕܠܘ ܡܢܢ ܗܘܘ.
20. ܘܐܢܬܘܢ ܡܫܝܚܘܬܐ ܐܝܬ ܠܟܘܢ ܡܢ
ܩܕܝܫܐ. ܘܦܪܫܝܢ ܐܢܬܘܢ ܗܘ ܠܟܠ
ܐܢܫ. 21 ܠܐ ܟܬܒܬ ܠܟܘܢ ܕܠܐ ܝܕܥܝܢ
ܐܢܬܘܢ ܠܗ ܠܫܪܪܐ. ܐܠܐ ܕܝܕܥܝܢ ܐܢܬܘܢ
ܠܗ. ܘܕܟܠܗ ܕܓܠܘܬܐ ܠܐ ܗܘܬ
ܡܢܗ ܡܢ ܫܪܪܐ. 22 ܡܢܘ ܕܓܠܐ܆ ܐܠܐ ܐܢ
ܐܢܐ ܕܟܦܪ ܕܝܫܘܥ ܠܐ ܗܘܐ ܡܫܝܚܐ.
ܘܗܢܐ ܗܘ ܡܫܝܚܐ ܕܓܠܐ. ܗܘ ܕܟܦܪ
ܒܐܒܐ܆ ܟܦܪ ܐܦ ܒܒܪܐ. 23 ܘܗܘ ܕܟܦܪ
ܒܒܪܐ ܐܦܠܐ ܒܐܒܐ ܡܗܝܡܢ. ܡܢ ܕܡܘܕܐ
ܒܒܪܐ ܘܐܦ ܒܐܒܐ ܡܘܕܐ. 24 ܘܐܢܬܘܢ
ܡܕܡ ܕܫܡܥܬܘܢ ܡܢ ܩܕܝܡ ܢܩܘܐ

דשמעתון דאתא משיחא
דגלא והשא הוו סגיאא
משיחא דגלא ומן הדא
ידעינן דזבנא הו אחריא:
19. מנן נפקו אלא לו מנן
הוו אלו גיר מנן הוו לותן
מכתרין הוו אלא נפקו
מנן דתתידע דלו מנן הוו:
20. ואנתון משיחותא אית
לכון מן קדישא ופרשין
אנתון הו לכל אנש:
21. לא כתבת לכון דלא
ידעין אנתון לה לשררא
אלא דידעין אנתון לה
ודכלה דגלותא לא הות
מנה מן שררא:
22. מנו דגלא אלא אן
אינא דכפר דישוע לא
הוא משיחא והנא הו
משיחא דגלא הו דכפר
באבא כפר אף בברא:
23. והו דכפר בברא אפלא
באבא מהימן מן דמודא
בברא ואף באבא מודא:
24. ואנתון מדם דשמעתון
מן קדים נקוא

EPISTOLA

audiviſtis qvod venturus eſt pſeudochriſtus, & nunc multi facti ſunt pſeudochriſti: & hinc cognoſcimus qvod tempus eſt ultimũ. 19 E nobis egreſſi ſunt, ſed non ex nobis fuerũt: *ſi enim ex nobis fuiſſent apud nos permanſiſſent,* ſed egreſſi ſunt a nobis, ut notũ fieret qvod non ex nobis erant. 20. At vobis unctio eſt ex ſancto, & diſcernitis omnem hominem. 21. Non ſcripſi vobis, qvod neſciatis ipſam veritatem: ſed noviſtis eam, & qvod omne mendacium non ſit ab ipſa veritate. 22. Qvis eſt mendax, niſi is qvi negando pronunciat qvod Jeſchua non ſit Chriſtus? & hic eſt pſeudochriſtus. Qvi negat Patrem: negat etiam Filium. 23. Qvi negat Filium, neqve in Patrem credit: qvi confitetur Filium, Patrem qvoqve confitetur. 24. Et vos qvicqvid audiviſtis ab initio, maneat in vo-

ܠܘܬܟܘܢ. ܐܢ ܓܝܪ ܡܩܘܐ ܠܘܬܟܘܢ
ܡܕܡ ܕܫܡܥܬܘܢ ܡܢ ܩܕܝܡ: ܐܦ
ܐܢܬܘܢ ܡܩܘܝܢ ܐܢܬܘܢ ܒܐܒܐ ܘܒܒܪܐ.
25 ܘܗܢܘ ܫܘܘܕܝܐ ܕܐܫܬܘܕܝ ܠܢ ܚܝܐ
ܕܠܥܠܡ. 26 ܗܠܝܢ ܕܝܢ ܟܬܒܬ
ܠܟܘܢ: ܡܛܠ ܐܝܠܝܢ ܕܡܛܥܝܢ
ܠܟܘܢ. 27 ܘܐܦ ܐܢܬܘܢ ܐܢ ܬܩܘܐ
ܠܘܬܟܘܢ ܡܫܝܚܘܬܐ ܕܩܒܠܬܘܢ
ܡܢܗ: ܠܐ ܤܢܝܩܝܢ ܐܢܬܘܢ ܕܐܢܫ
ܢܠܦܟܘܢ. ܐܠܐ ܐܝܟ ܡܫܝܚܘܬܐ ܕ
ܕܐܝܬܝܗ ܡܢ ܐܠܗܐ. ܗܝ ܡܠܦܐ
ܠܟܘܢ ܥܠ ܟܠܡܕܡ. ܘܫܪܝܪܐ ܗܝ
ܘܠܝܬ ܒܗ ܕܓܠܬܐ. ܘܐܝܟ ܕܐܠܦܬܟܘܢ
ܩܘܘ ܒܗ. 28 ܘܗܫܐ ܒܢܝ ܩܘܘ ܒܗ.
ܕܡܐ ܕܡܬܓܠܐ ܠܐ ܢܒܗܬ ܡܢܗ.
ܐܠܐ ܬܗܘܐ ܠܢ ܓܠܝܘܬ ܐܦܐ ܒܡܐܬܝܬܗ.
29 ܐܢ ܝܕܥܝܢ ܕܙܕܝܩ ܗܘ ܕܥܘ
ܕܐܦ ܟܠ ܕܥܒܕ ܙܕܝܩܘܬܐ ܡܢܗ ܐܬܝܠܕ ∴

לותכון אן גיר מקוא
לותכון מדם דשמעתון מן
קדים אף אנתון מקוין
אנתון באבא ובברא:
25. והנו שודיא דאשתודי
לן חיא דלעלם:
26. הלין דין כתבת לכון
מטל אילין דמטעין לכון:

27. ואף אנתון אן תקוא
ליתכון משיחותא ד
דקבלתון מנה לא סניקין
אנתון דאנש נלפכון אלא
איך משיחותא דאיתיה
מן אלהא הי מלפא לכון
על כלמדם ושרירא הי
ולית בה דגליתא ואיך
דאלפכון קוו בה:
28. והשא בני קוו בה
דמא דמתגלא לא נבהת
מנה אלא תהוא לן גליות
אפא במאתיתה:
29. אן ידעין דזדיק הו
דעו דאף כל דעב
דזדיקותא מנה איתילד:

JUCHANON APOSTOLI Cap. II.

in vobis, ſi enim manſerit in vobis quod [illegible] audiviſtis ab initio, etiam vos manebitis in Filio & in Patre.
25. Et hæc eſt promiſſio quam promiſit ille nobis, vitam æternam. 26. Hæc autem
ſcripſi vobis, propter eos qui ſeducunt vos. 27. Et ipſi vos, ſi unctio [illegible]
piſtis ab illo, non opus habetis ut quis doceat vos, ſed ſicut unctio quæ [illegible] a Deo, ea docet vos de omnibus,
[illegible] & non eſt [illegible] manete in eo. 28. Et nunc,
filii mei, manete in eo: ut quum manifeſtatus fuerit, non pudefiamus ab eo, ſed [illegible]
faciem in adventu eius. 29. Si autem ſcitis quod juſtus eſt, ſcitote quod quiſquis facit juſtitiam,
ex ipſo eſt.

Google

קפלאון ג

.1 וחזו כמא רב חובה
דאבא לותן דבניא קרן
אף עבדן מטל הנא עלמא
לא ידע לן מטל דאפלא
לה ידע:

.2 חביבי השא בנוהי חנן
דאלהא ולא אתגלי עדמא
להשא מנא עתידינן ד
נהוא ידעינן דין דמא
דאתגלי בדמותה הוינן
וחזינן לה איך מא
דאיתוהי:

.3 וכל אנש דאית לה
עלוהי הנא סברא מדכא
נפשה איך דהו דכא הו:

.4 מן דין דעבד חטיתא
עולא סער חטיתא גיר
כלה עולא הי:

.5 וידעין אנתון דהו ד
דאתגלי דנסב חטהין ו
וחטיתא בה לית:

.6 וכל דבה מקוא לא
חטא וכל דחטא לא
חזיהי ולא ידעה:

.7 בני לא אנש נ
טעיכון הו דעבד ז

✧ ܩܦܠܐܘܢ ܓ ✧

1. ܘܚܙܘ ܟܡܐ ܪܒ ܚܘܒܗ
ܕܐܒܐ ܠܘܬܢ: ܕܒܢܝܐ ܩܪܢ ܐܦ ܥܒܕܢ.
ܡܛܠ ܗܢܐ ܥܠܡܐ ܠܐ ܝܕܥ ܠܢ. ܡܛܠ
ܕܐܦ ܠܗ ܠܐ ܝܕܥ. 2 ܚܒܝܒܝ: ܗܫܐ
ܒܢܘܗܝ ܚܢܢ ܕܐܠܗܐ. ܘܠܐ ܐܬܓܠܝ
ܥܕܡܐ ܠܗܫܐ. ܡܢܐ ܥܬܝܕܝܢܢ ܕܢܗܘܐ.
ܝܕܥܝܢܢ ܕܝܢ ܕܡܐ ܕܐܬܓܠܝ ܒܕܡܘܬܗ
ܗܘܝܢܢ. ܘܚܙܝܢܢ ܠܗ ܐܝܟ ܡܐ
ܕܐܝܬܘܗܝ. 3 ܘܟܠ ܐܢܫ ܕܐܝܬ ܠܗ
ܥܠܘܗܝ ܗܢܐ ܣܒܪܐ: ܡܕܟܐ ܢܦܫܗ
ܐܝܟ ܕܗܘ ܕܟܐ ܗܘ. 4 ܡܢ ܕܝܢ ܕܥܒܕ
ܚܛܝܬܐ ܥܘܠܐ ܣܥܪ. ܚܛܝܬܐ ܓܝܪ
ܟܠܗ ܥܘܠܐ ܗܝ. 5 ܘܝܕܥܝܢ ܐܢܬܘܢ ܕܗܘ
ܕܐܬܓܠܝ ܕܢܣܒ ܚܛܗܝܢ. ܘܚܛܝܬܐ
ܒܗ ܠܝܬ. 6 ܘܟܠ ܕܒܗ ܡܩܘܐ ܠܐ
ܚܛܐ. ܘܟܠ ܕܚܛܐ ܠܐ ܚܙܝܗܝ ܘܠܐ ܝܕܥܗ.
7 ܒܢܝ: ܠܐ ܐܢܫ ܢܛܥܝܟܘܢ. ܗܘ ܕܥܒܕ

EPISTOLA

CAPUT III.

1. Et videte qvam magna est charitas Patris erga nos: qvi filios vocavit nos, etiam fecit nos. propterea hic mundus non novit nos, qvia etiam illum non novit. 2. Dilecti mei, nunc filii sumus Dei, & non apparuit usqve adhuc id qvod est futurum ut simus. Scimus autem qvod qvum manifestatus fuerit, in similitudine ejus erimus: & videbimus eum sicuti est. 3. Et omnis cui est in eo haec spes, purificat seipsum sicuti ille purus est. 4. Qvi autem facit peccatum, iniqvitatem agit, peccatum enim omne iniqvitas est. 5. Et scitis qvod ille qvi manifestatus est, *manifestatus est*, ut tolleret peccata nostra, & peccatum in illo non est. 6. Et omnis qvi in eo manet, non peccat: & omnis qvi peccat, non vidit eum, neqve novit eum. 7. Filioli mei, ne qvis seducat vos. Qvi facit

ܙܕܝܩܘܬܐ ܙܕܝܩܐ ܗܘ. ܐܝܟ ܕܐܦ ܗܘ
ܡܫܝܚܐ ܐܝܬܘܗܝ ܙܕܝܩܐ. 8 ܘܗܘ ܕܥܒܕ
ܚܛܝܬܐ ܡܢ ܣܛܢܐ ܗܘ ܡܛܠ ܕܡܢ
ܪܫܝܬܐ ܗܘ ܣܛܢܐ ܚܛܝܐ ܗܘ. ܘܡܛܠ
ܗܢܐ ܐܬܚܙܝ ܒܪܗ ܕܐܠܗܐ: ܕܢܫܪܐ
ܥܒܕܘܗܝ ܕܣܛܢܐ. 9 ܟܠ ܕܐܬܝܠܕ ܡܢ
ܐܠܗܐ ܚܛܝܬܐ ܠܐ ܥܒܕ. ܡܛܠ ܕܙܪܥܗ
ܒܗ ܐܝܬܘܗܝ. ܘܠܐ ܡܫܟܚ ܠܡܚܛܐ
ܕܡܢ ܐܠܗܐ ܐܬܝܠܕ. 10 ܒܗܕܐ ܡܬܦܪܫܝܢ
ܒܢܘܗܝ ܕܐܠܗܐ ܡܢ ܒܢܘܗܝ ܕܣܛܢܐ.
ܟܠ ܕܠܐ ܥܒܕ ܙܕܝܩܘܬܐ ܘܠܐ ܡܚܒ
ܠܐܚܘܗܝ: ܠܝܬܘܗܝ ܡܢ ܐܠܗܐ. 11
ܘܗܢܘ ܦܘܩܕܢܐ ܕܫܡܥܬܘܢ ܡܢ ܩܕܝܡ
ܕܢܚܒ ܚܕ ܠܚܕ. 12 ܠܘ ܐܝܟ ܩܐܝܢ
ܗܘ ܕܐܝܬܘܗܝ ܗܘܐ ܡܢ ܒܝܫܐ ܘܩܛܠ
ܠܐܚܘܗܝ. ܘܡܛܠ ܡܢܐ ܩܛܠܗ: ܐܠܐ
ܡܛܠ ܕܒܝܫܝܢ ܗܘܘ ܥܒܕܘܗܝ
ܘܕܐܚܘܗܝ ܙܕܝܩܝܢ. 13 ܘܠܐ ܬܬܕܡܪܘܢ

זדיקותא זדיקא הו איך
דאף הו משיחא איתוהי
זדיקא:
8. והו דעבד חטיתא מן
סטנא הו מטל דמן ר
רישיתא הו סטנא חטיא
הו ומטל הנא אתחזי ב
ברה דאלהא דנשרא
עבדוהי דסטנא:
9. כל דאתילד מן אלהא
חטיתא לא עבד מטל
דזרעה בה איתוהי ולא
משכח למחטא דמן א
אלהא אתילד:
10. בהדא מתפרשין ב
בנוהי דאלהא מן בנוהי
דסטנא כל דלא עבד
זדיקותא ולא מחב ל
לאחוהי ליתוהי מן אלהא:
11. דהנו פוקדנא דשמעתון
מן קדים דנרחם חד לחד:
12. לו איך קאין הו ד
דאיתוהי הוא מן בישא
וקטל לאחוהי ומטל מנא
קטלה אלא מטל דבישי
הוו עבדוהי ודאחוהי
זדיקין:
13. ולא תתדמרון

JUCHANON APOSTOLI Cap. III.

justitiam, justus est, sicut etiam ipse Christus justus est. 8. Et is qui agit peccatum ex Satana est, quia a principio ipse Satanas peccator est, & propter hoc manifestatus est Filius Dei, ut dissolveret opera Satanae. 9. Omnis qui natus est ex Deo, peccatum non facit, quoniam semen ejus [illegible] non potest peccare, quia ex Deo natus est. 10. In hoc discernuntur filii Dei a filiis Satanae, [illegible] justitiam, & non diligit fratrem suum, non est ex Deo. 11. Nam illud est mandatum quod audivistis [illegible] ut diligatis unus alium. 12. Non sicut Cain qui fuit a malo, & occidit fratrem suum. [illegible] propter quid occidit eum, nisi quia mala erant opera ejus, & fratris ejus justa? 13. Et ne [illegible]

ܐܚܝ ܐܢ ܣܢܐ ܠܟܘܢ ܥܠܡܐ. 14 ܚܢܢ
ܝܕܥܝܢܢ ܕܫܢܝܢܢ ܡܢ ܡܘܬܐ ܠܚܝܐ.
ܒܗܕܐ ܕܡܚܒܝܢܢ ܠܐܚܝܢ. ܗܘ ܕܠܐ
ܡܚܒ ܠܐܚܘܗܝ ܒܡܘܬܐ ܡܩܘܐ. 15
ܟܠ ܓܝܪ ܕܣܢܐ ܠܐܚܘܗܝ ܩܛܠ ܐܢܫܐ
ܗܘ. ܘܝܕܥܝܢ ܐܢܬܘܢ ܕܟܠ ܕܩܛܠ ܐܢܫܐ:
ܠܐ ܡܫܟܚܝܢ ܡܩܘܝܢ ܒܗ ܚܝܐ
ܕܠܥܠܡ. 16 ܒܗܕܐ ܝܕܥܝܢܢ ܚܘܒܗ
ܕܠܗ: ܕܗܘ ܢܦܫܗ ܣܡ ܚܠܦܝܢ.
ܘܐܦ ܚܢܢ ܙܕܩ ܠܢ ܕܥܠ ܐܦܝ ܐܚܝܢ
ܢܣܝܡ ܢܦܫܬܢ. 17 ܘܐܝܢܐ ܕܐܝܬ ܠܗ
ܩܢܝܢܐ ܕܥܠܡܐ: ܘܚܙܐ ܠܐܚܘܗܝ
ܕܣܢܝܩ ܘܐܚܕ ܪ̈ܚܡܘܗܝ ܡܢܗ:
ܐܝܟܢܐ ܐܝܬ ܒܗ ܚܘܒܗ ܕܐܠܗܐ. 18
ܒܢܝ: ܠܐ ܢܚܒ ܚܕ ܠܚܕ ܒܡܠܐ
ܘܒܠܫܢܐ. ܐܠܐ ܒܥܒܕܐ ܘܒܫܪܪܐ. 19
ܘܒܗܕܐ ܡܫܬܘܕܥܝܢܢ ܕܡܢ ܫܪܪܐ ܐܝܬܝܢ.
ܘܩܕܡ ܕܢܐܬܐ ܗܘ ܡܦܝܣܝܢܢ ܠܒܢ. 20
ܘܐܢܗܘ ܕܠܒܢ ܡܪܫܐ ܠܢ: ܟܡܐ ܪܒ ܐܠܗܐ

אחי אן סנא לכון עלמא׃
14. חנן ידעינן דשנינן מן
מותא לחיא בהדא
דמחבינן לאחין הו דלא
מחב לאחוהי במותא
מקוא׃
15. כל גיר דסנא לאחוהי
קטל אנשא הו וידעין
אנתון דכל דקטל אנשא
לא משכחין מקוין בה
חיא דעלם׃
16. בהדא ידעינן חובה
דלה דהו יהב נפשה
חלפין ואף חנן זדק לן
דעל אפי אחין נסים נפשתן׃
17. ואינא דאית לה קנינא
דעלמא וחזא לאחוהי
דסניק ונאחיד רחמוהי
מנה איכנא אית בה
חובה דאלהא׃
18. בני לא נחב חד לחד
במלא ובלשנא אלא
בעבדא ובשררא׃
19. ובהדא משתודעינן
דמן שררא איתין וקדם
דנאתא הו מפיסינן לבן׃
20. ואנהו דלבן מרשא לן
כמא אלהא

fratres mei, si odit vos mundus. 14. Nos [illegible] de morte ad vitam in hoc quod
diligimus fratres. [illegible] fratrem
suum, [illegible] 15.
[illegible] charitatem illius [illegible] &
etiam [illegible] nobis, ut [illegible] 17. [illegible]
[illegible] habet, & [illegible]
quomodo est charitas Dei in eo? 18. Filioli mei, ne diligamus [illegible] & lingua, sed

ܪܒ ܗܘ ܡܢ ܠܒܢ ܘܝܕܥ ܟܠܡܕܡ ܀ 21.
ܚܒܝܒܝ܂ ܐܢ ܠܒܢ ܠܐ ܡܪܫܥ ܠܢ܂
ܦܪܨܘܦܐ ܐܝܬ ܠܢ ܩܕܡ ܐܠܗܐ. 22
ܘܟܠܡܕܡ ܕܫܐܠܝܢܢ ܢܣܒܝܢܢ ܡܢܗ.
ܡܛܠ ܕܢܛܪܝܢܢ ܦܘܩܕܢܘܗܝ. ܘ
ܫܦܝܪܬܐ ܩܕܡܘܗܝ ܥܒܕܝܢܢ. 23
ܘܗܢܘ ܗܘ ܦܘܩܕܢܗ: ܕܢܗܝܡܢ
ܒܫܡܐ ܕܒܪܗ ܝܫܘܥ ܡܫܝܚܐ.
ܘܢܚܒ ܚܕ ܠܚܕ ܐܝܟ ܕܦܩܕ. 24
ܘܐܝܢܐ ܕܢܛܪ ܦܘܩܕܢܘܗܝ ܒܗ
ܡܬܢܛܪ. ܘܗܘ ܫܪܐ ܒܗ. ܘܒܗܕܐ
ܡܣܬܟܠܝܢܢ ܕܫܪܐ ܒܢ ܡܢ ܪܘܚܗ ܗܘ
ܕܝܗܒ ܠܢ ܀

܀ ܩܦܠܐܘܢ ܕ ܀

1. ܚܒܝܒܝ܂ ܠܐ ܠܟܠ ܪܘܚܝܢ
ܬܗܝܡܢܘܢ. ܐܠܐ ܗܘܘ ܦܪܫܝܢ ܪܘܚܐ
ܐܢ ܡܢ ܐܠܗܐ ܐܝܬܝܗܝܢ. ܡܛܠ
ܕܢܒܝܐ ܕܓܠܐ ܣܓܝܐܐ ܢܦܩܘ ܒܗ
ܒܥܠܡܐ. 2 ܒܗܕܐ ܡܬܝܕܥܐ ܪܘܚܗ

דרב מן לבן וידע כ
כלמדם :
21. חביבי אן לבן לא
מרשע לן פרצופא איתן
קדם אלהא :
22. וכלמדם דשאלינן
נסבינן מנה מטל דנטרינן
פיקדנוהי ושפירתא ס
עבדינן קדמוהי :
23. והנא הו פיקדנה
דנהימן בשמא דברה
ישוע משיחא ונחב חד
לחד איך דפקדן :
24. ואינא דנטר פיקדנוהי
בה מתנטר והו שרא בה
ובהדא מסתכלינן ד
שרא בן מן רוחה הו
דיהב לן :

קפלאון ד

1. חביבי לא לכל רוחין
תהימנון אלא הויתון
פרשין רוחא אן מן אלהא
איתיהין מטל דנביאא
נביא דגלא נפקו בה
בעלמא :
2. בהדא מתידעא רוחה

[illegible] & [illegible] 21. [illegible] Deo: 22. [illegible] 23. [illegible] Filii eius Iesu Christi, & [illegible] 24. [illegible]

CAPUT IV.

1. [illegible] 2. [illegible]

ܕܐܠܗܐ. ܟܠ ܪܘܚܐ ܕܡܘܕܝܐ ܕܝܫܘܥ
ܡܫܝܚܐ ܐܬܐ ܒܒܣܪ ܡܢ ܐܠܗܐ ܗܝ.
3. ܘܟܠ ܪܘܚܐ ܕܠܐ ܡܘܕܝܐ ܕܝܫܘܥ ܐܬܐ
ܒܒܣܪ ܠܝܬܝܗ ܡܢ ܐܠܗܐ. ܐܠܐ ܗܕܐ ܡܢ
ܡܫܝܚܐ ܗܝ ܕܓܠܐ. ܗܝ ܕܫܡܥܬܘܢ
ܕܐܬܝܐ ܘܗܫܐ ܒܥܠܡܐ ܐܝܬܝܗ ܡܢ
ܟܕܘ. 4 ܐܢܬܘܢ ܕܝܢ ܡܢ ܐܠܗܐ ܐܝܬܝܟܘܢ
ܒܢܝܐ ܘܙܟܝܬܘܢ ܐܢܘܢ. ܡܛܠ ܕܪܒ ܗܘ
ܗܘ ܕܒܟܘܢ ܡܢ ܗܘ ܕܒܥܠܡܐ. 5
ܘܗܠܝܢ ܡܢ ܥܠܡܐ ܐܢܘܢ. ܡܛܠ ܗܢܐ
ܡܢ ܥܠܡܐ ܡܡܠܠܝܢ. ܘܥܠܡܐ
ܠܗܘܢ ܫܡܥ. 6 ܚܢܢ ܕܝܢ ܡܢ ܐܠܗܐ
ܚܢܢ. ܘܡܢ ܕܝܕܥ ܠܐܠܗܐ ܫܡܥ ܠܢ.
ܘܡܢ ܕܠܐ ܐܝܬܘܗܝ ܡܢ ܐܠܗܐ ܠܐ ܫܡܥ
ܠܢ. ܒܗܕܐ ܝܕܥܝܢܢ ܠܪܘܚܐ
ܕܫܪܪܐ. ܘܠܪܘܚܐ ܕܛܘܥܝܝܘܬܐ ✣ 7
ܚܒܝܒܝ ܢܚܒ ܚܕ ܠܚܕ. ܡܛܠ
ܕܚܘܒܐ ܡܢ ܐܠܗܐ ܗܘ. ܘܟܠ ܡܢ

אגרתא

דאלהא כל רוחא דמודיא
דישוע משיחא אתא
בבסר מן אלהא הי:
3. וכל רוחא דלא מודיא
דישוע אתא בבסר ליתיה
מן אלהא אלא הדא מן
משיחא הי דגלא הי
דשמעתון דאתא; והשא
בעלמא איתיהי מן כדו:
4. אנתון דין מן אלהא
איתיכון בניא וזכיתון
אנון מטל דרב הו הו
דבכון מן הו דבעלמא:
5. והלין מן עלמא אנון
מטל הנא מן עלמא
ממללין ועלמא להון
שמע:
6. חנן דין מן אלהא חנן
ומן דידע לאלהא שמע לן
ומן דלא איתוהי מן אלהא
לא שמע לן בה בהדא
מסתכלינן לרוחא דשררא
ולרוחא דמטעיניותא:
7. חביבי נחב חד לחד
מטל דחובא מן א
אלהא הו וכל מן

EPISTOLA

Dei. Omnis spiritus qui confitetur qvod Jeschua Christus venit in carnem, ex Deo est. 3. Et omnis spiritus qui non confitetur qvod Jeschua venit in carnem, non est ex Deo: sed hic ex pseudochristo est, de qvo audivistis qvod veniat & nunc in mundo est jam. 4. Vos autem ex Deo estis, filioli, & vicistis eos: qvoniam major est is qvi in vobis est quam qvi in mundo. 5. Et ipsi ex mundo sunt: idcirco ex mundo loquuntur, & mundus eos audit. 6. Nos autem ex Deo sumus: & is qvi novit Deum audit nos, & is qvi non est ex Deo, non audit nos. per hoc ipsum intelligimus spiritum verum, & spiritum deceptionis. 7. Dilectissimi, diligamus alius alium: qvia charitas ex Deo est: & qvisqvis diligit.

ܕܡܚܒ ܡܢ ܐܠܗܐ ܝܠܝܕ: ܘܝܕܥ
ܠܐܠܗܐ. 8 ܡܛܠ ܕܐܠܗܐ ܚܘܒܐ ܗܘ.
ܘܟܠ ܕܠܐ ܡܚܒ ܠܐ ܝܕܥ ܠܐܠܗܐ. 9
ܒܗܕܐ ܐܬܝܕܥ ܚܘܒܗ ܕܐܠܗܐ ܕܠܘܬܢ:
ܕܠܒܪܗ ܝܚܝܕܝܐ ܫܕܪ ܐܠܗܐ ܠܥܠܡܐ
ܕܢܚܐ ܒܐܝܕܗ. 10 ܒܗܢܐ ܐܝܬܘܗܝ
ܚܘܒܐ: ܠܐ ܗܘܐ ܕܚܢܢ ܐܚܒܢ ܠܐܠܗܐ.
ܐܠܐ ܗܘ ܐܠܗܐ ܐܚܒܢ. ܘܫܕܪ ܠܒܪܗ
ܚܘܣܝܐ ܥܠ ܐܦܝ ܚܛܗܝܢ ✣ 11
ܚܒܝܒܝ ܐܢ ܗܟܢ ܐܚܒܢ ܐܠܗܐ:
ܐܦ ܚܢܢ ܚܝܒܝܢܢ ܚܕ ܠܚܕ ܠܡ
ܚܒܘ: 12 ܠܐܠܗܐ ܡܡܬܘܡ ܐܢܫ
ܠܐ ܚܙܝܗܝ. ܐܢ ܕܝܢ ܢܚܒ ܚܕ ܠܚܕ:
ܐܠܗܐ ܒܢ ܡܩܘܐ. ܘܚܘܒܗ ܡܫܡܠܝܐ
ܒܢ. 13 ܘܒܗܕܐ ܝܕܥܝܢܢ ܕܒܗ ܡܩܘܝܢܢ
ܘܗܘ ܡܩܘܐ ܒܢ ܕܡܢ ܪܘܚܗ ܝܗܒ
ܠܢ: 14 ܘܚܢܢ ܚܙܝܢ ܘܡܣܗܕܝܢܢ:
ܕܐܒܐ ܫܕܪ ܠܒܪܗ ܦܪܘܩܐ ܠܥܠܡܐ.

דְמַחֵב מִן אַלָהָא יַלִיד
וְיָדַע לַאלָהָא׃
8. מטל דַאלָהָא חיבָא
הו וכל דְלָא מַחֵב לָא
יָדַע לַאלָהָא׃
9. בְהָדָא אתִידַע חיבה
דאלָהָא דַלְוָתַן דַלבְרֵה
יחידָיא שַדַר אלָהָא
לְעָלְמָא דנִחֵא בְאידֵה׃
10. בְהָנָא איתוהי חיבְא
לא הוא דחנן אחבן ל
לאלָהָא אלא דהו אלָהָא
אחבן ושַדַר לברה
חוסָיא על אַפֵי חטהין׃
11. חביבי אן הָכַן אַחבַן
אלָהא ואף חנן חַיָבינַן
חד לחד לְמַחבו׃
12. לַאלָהא מְמַתּוּם אנש
לא חזיהי אן דין נַחב חד
לחד אלָהא בן מקַוא
וחיבה מְשַמלָא בן׃
13. ובהָדָא יָדעינן דבה
מקוינן והו מקוא בן דמן
רוחה יהב לן׃
14. וחנן חזין ומסהדינן
דאבא שדר לברה
פרוקא לעלמא׃

JUCHANON APOSTOLI. CAP. IV.

diligit ex Deo natus est & novit Deum. 8. Quia Deus charitas est: & quicumque non diligit, non novit Deum. 9. In hoc enim innotuit charitas Dei erga nos, quod Filium suum unigenitum misit Deus in mundum ut vivamus per eum. 10. In hoc est charitas: non quod nos dileximus Deum, sed quod ipse Deus dilexit nos & misit Filium suum propitiatorem pro peccatis nostris. 11. Dilecti mei, si ita dilexit nos Deus, nos quoque debitores sumus ut invicem diligamus. 12. Deum nemo unquam vidit: si autem diligamus invicem alium, Deus in nobis manet, & charitas ejus completa est in nobis. 13. Ex hoc cognoscimus quod in eo manemus, & ipse manet in nobis, quod de Spiritu suo dedit nobis. 14. Et nos vidimus & testamur quod Pater misit Filium Salvatorem

15. ܟܠ ܕܡܘܕܐ ܒܝܫܘܥ ܕܗܘܝܘ ܒܪܗ
ܕܐܠܗܐ܆ ܐܠܗܐ ܒܗ ܡܩܘܐ ܘܗܘ
ܡܩܘܐ ܒܐܠܗܐ. 16 ܘܚܢܢ ܗܝܡܢܢ
ܘܝܕܥܝܢ ܚܘܒܐ. ܕܐܝܬ ܠܗ ܠܐܠܗܐ
ܠܘܬܢ. ܐܠܗܐ ܓܝܪ ܚܘܒܐ ܗܘ.
ܘܟܠ ܕܡܩܘܐ ܒܚܘܒܐ ܒܐܠܗܐ
ܡܩܘܐ. 17 ܘܒܗܕܐ ܡܫܬܡܠܝܐ
ܚܘܒܗ ܥܡܢ܆ ܕܓܠܝܬ ܐܦܐ ܬܗܘܐ
ܠܢ ܒܝܘܡܐ ܕܕܝܢܐ. ܡܛܠ ܕܐܝܟ
ܕܗܘܐ ܗܘ. ܗܟܢܐ ܐܦ ܚܢܢ ܐܝܬܝܢ
ܒܗܢܐ ܥܠܡܐ. 18 ܕܚܠܬܐ ܒܚܘܒܐ
ܠܝܬ. ܐܠܐ ܚܘܒܐ ܡܫܡܠܝܐ܆ ܠܒܪ
ܫܕܝܐ ܠܗ ܠܕܚܠܬܐ. ܡܛܠ ܕܕܚܠܬܐ
ܒܩܢܛܐ ܐܝܬܝܗ. ܗܘ ܕܝܢ ܕܕܚܠ ܠܐ
ܡܫܡܠܐ ܒܚܘܒܐ. 19 ܚܢܢ ܗܟܝܠ
ܢܚܒ ܠܐܠܗܐ܆ ܡܛܠ ܕܗܘ ܩܕܡܐܝܬ
ܐܚܒܢ. 20 ܐܢ ܕܝܢ ܐܢܫ ܢܐܡܪ
ܕܡܚܒ ܐܢܐ ܠܐܠܗܐ. ܘܠܐܚܘܗܝ ܣܢܐ܆
ܕܓܠܐ ܗܘ. ܗܘ ܓܝܪ ܕܠܐܚܘܗܝ ܕܡܬܚܙܐ

15. כל דמודא בישוע
דהויו ברה דאלהא אלהא
בה מקוא והו מקוא
באלהא:
16. וחנן הימנן וידעין
חיבא דאית לה לאלהא
לותן אלהא גיר חיבא
הו וכל דמקוא בחיבא
באלהא מקוא:
17. ובהדא משתמלא
חיבה עמן דגליית אפא
תהוא לן ביומא דדינא
מטל דאיך דהוא הו
הכנא אף חנן איתין
בהנא עלמא:
18. דחלתא בחיבא
לית אלא חיבא
משמליא לבר שדא לה
לדחלתא מטל דדחלתא
בקנטא איתיה הו דין
דדחל לא משמלי בחיבא:
19. חנן הכיל נחב לאלהא
מטל דהו קדמאית אחבן:
20. אן דין אנש נאמר
דמחב אנא לאלהא
ולאחוהי סנא דגלא
הו דין גיר דלאחוהי
דמתחזא

EPISTOLA

15. Omnis qui confitetur Ieſum quod ſit Filius Dei, Deus in eo manet & ipſe manet in Deo. 16. Et nos credimus & ſcimus charitatem quam habet Deus erga nos. Deus enim charitas eſt, & quiſquis manet in charitate, in Deo manet. 17. Et in hoc adimpletur charitas eius nobiſcum, ut revelata facie ſit nobis in die iudicii: quia ſicut ille fuit, ita etiam nos ſumus in hoc mundo. 18. Metus in charitate non eſt: ſed charitas completa foras eiicit metum, quia metus in irritatione eſt. is autem qui metuit, non eſt perfectus in charitate. 19. Nos igitur diligamus Deum qui ipſe prius dilexit nos. 20. Si autem quis dixerit, Ego diligo Deum, & fratrem ſuum odio habeat, mendax eſt. ille enim qui fratrem ſuum, qui videtur

ܕܡܬܚܙܐ

ܠܐ ܡܚܒ ܠܐܠܗܐ ܗܘ ܕܠܐ ܡܬܚܙܐ
ܐܝܟܢܐ ܡܫܟܚ ܕܢܚܒ. 21 ܘܗܢܐ
ܦܘܩܕܢܐ ܩܒܠܢ ܡܢܗ. ܕܟܠ ܕܡܚܒ
ܠܐܠܗܐ ܢܚܒ ܐܦ ܠܐܚܘܗܝ ܀

ܩܦܠܐܘܢ ܗ

1 ܟܠ ܡܢ ܕܡܗܝܡܢ ܕܝܫܘܥ ܐܝܬܘܗܝ
ܡܫܝܚܐ ܡܢ ܐܠܗܐ ܝܠܝܕ: ܘܟܠ
ܕܡܚܒ ܠܝܠܘܕܐ: ܡܚܒ ܐܦ ܠܗܘ
ܕܐܬܝܠܕ ܡܢܗ. 2 ܘܒܗܕܐ ܝܕܥܝܢܢ
ܕܡܚܒܝܢܢ ܠܒܢܘܗܝ ܕܐܠܗܐ: ܡܐ
ܕܠܐܠܗܐ ܡܚܒܝܢܢ ܘܥܒܕܝܢܢ
ܦܘܩܕܢܘܗܝ. 3 ܗܢܐ ܗܝ ܓܝܪ ܚܘܒܗ
ܕܐܠܗܐ. ܕܢܛܪ ܦܘܩܕܢܘܗܝ. ܘ
ܦܘܩܕܢܘܗܝ ܠܐ ܝܩܝܪܝܢ. 4 ܡܛܠ
ܕܟܠ ܕܝܠܝܕ ܡܢ ܐܠܗܐ ܙܟܐ ܠܗ
ܠܥܠܡܐ. ܘܗܕܐ ܗܝ ܙܟܘܬܐ ܕܙܟܬܗ
ܠܥܠܡܐ ܗܝܡܢܘܬܢ. 5 ܡܢܘ ܓܝܪ
ܕܙܟܐ ܠܗ ܠܥܠܡܐ: ܐܠܐ ܗܘ ܕܡܗܝܡܢ

לָא מַחב לַאלָהָא הַו
דְלָא מֶתחזֵא אַיכַנָא
מֶשכַּח דנַחֵב ׃
21. וְהָנָא פוּקדָנָא קַבלַן
מִנֵה דכֻל דמַחֵב לַאלָהָא
נַחֵב אַף לַאחוּהי ׃

קפלאון ה

1. כֻלמַן דמַהֵימַן דישוּע
אִיתוּהי מְשִׁיחָא מִן א
לָהָא יְלִיד וְכֻל דמַחֵב
לִילִידָא מַחֵב אַף לְהַו
דאֶתִילֶד מֶנֵה ׃
2. וּבְהָדָא יָדְעִינַן דמַחְבִינַן
לִבנַוהי דאַלָהָא מָא
דלַאלָהָא מַרבִינַן וְעָבְדִינַן
פוּקדָנוּהי ׃
3. הָנָא הו גֵיר חוּבֵה
דאַלָהָא דנֵטַר פוּקדָנוּהי
וּפוּקדָנוּהי לָא יַקִירִין ׃
4. מֶטֻל דכֻל דִילִיד מִן
אַלָהָא זָכֵא לֵה לְעָלמָא
וְהָדָא הי זָכִיוּתָא דזָכתֵה
לְעָלמָא הַימָנוּתַן ׃
5. מַנוּ גֵיר דזָכֵא לֵה
לְעָלמָא אֶלָא הַו דמְהַימֵן

non diligit, Deum ipsum, qui non videtur, quomodo potest diligere? 21 Et hoc mandatum acce-pimus ab eo, ut omnis qui diligit Deum, diligat etiam fratrem suum.

CAPUT V.

1 Omnis qui credit quod Jeschua est Christus, ex Deo natus est: & omnis qui diligit genitorem, diligit etiam eum qui genitus est ex eo. 2 Per hoc cognoscimus quod diligimus filios Dei, [illegible] Dei, & facimus mandata ejus. 3 Hoc enim est dilectio Dei, ut [illegible] mandata ejus, & mandata [illegible] gravia non sunt. 4 Quia quicquid natum est ex Deo, vincit mundum, & haec est victoria [illegible] ipsum mundum, fides nostra. 5 Quis enim est qui vincit ipsum mundum [illegible]

ישוע ברה הו דאלהא:
6. הנו דאתא ביד מיא
ודמא ישוע משיחא לא
הוא במיא בלחוד אלא
במיא ודמא ורוחא
מסהדא דהי רוחא א
איתיה שררא:
8. ואיתיהון תלתא
סהדין רוחא ומיא ודמא
ותלתיהון בחד אנון:
9. אן סהדותא דבנינשא
מקבלין חד כמא סהדותה
דאלהא דרבא הי והדא
הי סהדותה דאלהא
דאסהד על ברה:
10. כל דמהימן בברה
דאלהא אית לה הדא
סהדותא בנפשה כל דלא
מהימן לאלהא דגלא
עבדה ברא דלא הימן ל
סהדותא דאסהד אלהא
על ברה:
11. והדא הי סהדותא
דחיא דלעלם יהב לן
אלהא והלין חיא בברה
איתיהון:
12. כל דאחיד לברא
אחיד אף לחיא דב

ܝܫܘܥ ܒܪܗ ܗܘ ܕܐܠܗܐ. 6 ܗܢܘ
ܕܐܬܐ ܒܝܕ ܡܝܐ ܘܕܡܐ ܝܫܘܥ ܡܫܝܚܐ.
ܠܐ ܗܘܐ ܒܡܝܐ ܒܠܚܘܕ: ܐܠܐ ܒܡܝܐ
ܘܕܡܐ. ܘܪܘܚܐ ܡܣܗܕܐ ܕܗܝ ܪܘܚܐ
ܐܝܬܝܗ ܫܪܪܐ. 8 ܘܐܝܬܝܗܘܢ ܬܠܬܐ
ܣܗܕܝܢ. ܪܘܚܐ ܘܡܝܐ ܘܕܡܐ. ܘ
ܬܠܬܝܗܘܢ ܒܚܕ ܐܢܘܢ. 9 ܐܢ ܣܗܕܘܬܐ
ܕܒܢܝܢܫܐ ܡܩܒܠܝܢܢ: ܚܕ ܟܡܐ
ܣܗܕܘܬܗ ܕܐܠܗܐ ܪܒܐ ܗܝ. ܘܗܕܐ
ܗܝ ܣܗܕܘܬܗ ܕܐܠܗܐ ܕܐܣܗܕ ܥܠ
ܒܪܗ. 10 ܟܠ ܕܡܗܝܡܢ ܒܒܪܗ
ܕܐܠܗܐ. ܐܝܬ ܠܗ ܗܕܐ ܣܗܕܘܬܐ
ܒܢܦܫܗ ܟܠ ܕܠܐ ܡܗܝܡܢ ܠܐܠܗܐ
ܕܓܠܐ ܥܒܕܗ. ܒܪ ܕܠܐ ܗܝܡܢ ܒܣܗܕܘܬܐ
ܕܐܣܗܕ ܐܠܗܐ ܥܠ ܒܪܗ. 11 ܘܗܕܐ ܗܝ
ܣܗܕܘܬܐ: ܕܚܝܐ ܕܠܥܠܡ ܝܗܒ ܠܢ
ܐܠܗܐ. ܘܗܠܝܢ ܚܝܐ ܒܒܪܗ ܐܝܬܝܗܘܢ.
12. ܟܠ ܕܐܚܝܕ ܠܒܪܐ ܐܚܝܕ ܐܦ ܠܚܝܐ.

EPISTOLA

Ieſchua filius eſt Dei. 6. Hic eſt qui venit per aqvas & ſangvinem, nempe Ieſchua Chriſtus: neqve verò per aqvas tantùm, ſed per aqvas & ſangvinem: & ſpiritus teſtatur qvod ille ſpiritus eſt veritas. 7. * * * 8. Et ſunt tres teſtes, ſpiritus & aqva, & ſangvis: & tres iſti in unum ſunt. 9. Si teſtimonium filiorum hominum accipimus, qvanto magis teſtimonium Dei qvod maximum eſt? & hoc eſt teſtimonium Dei qvod teſtificatus eſt de Filio ſuo. 10. Qviſqvis credit in Filium Dei, eſt ei hoc teſtimonium in ipſo. omnis qui non credit Deo, mendacem facit eum, in eo qvod non crediderit in teſtimonium qvod teſtificatus eſt Deus de Filio ſuo. 11. Et hoc eſt teſtimonium qvod vitam qvæ eſt

ܘܟܠ ܕܠܐ ܐܚܝܕ ܠܒܪܗ ܕܐܠܗܐ ܠܝܬ
ܠܗ ܚܝܐ ܀ 13 ܗܠܝܢ ܟܬܒܬ ܠܟܘܢ܂
ܕܬܕܥܘܢ ܕܚܝܐ ܕܠܥܠܡ ܐܝܬ ܠܟܘܢ܂
ܠܐܝܠܝܢ ܕܡܗܝܡܢܝܢ ܒܫܡܗ ܕܒܪܗ
ܕܐܠܗܐ܂ 14 ܘܗܢܐ ܦܪܗܣܝܐ ܐܝܬ ܠܢ
ܠܘܬܗ܂ ܕܟܠ ܕܫܐܠܝܢܢ ܠܗ ܐܝܟ
ܨܒܝܢܗ ܫܡܥ ܠܢ܂ 15 ܘܐܢ ܡܦܣܝܢܢ
ܕܫܡܥ ܠܢ ܥܠ ܡܕܡ ܕܫܐܠܝܢܢ ܡܢܗ܆
ܡܗܝܡܢܝܢܢ ܕܩܒܠܝܢܢ ܡܢ ܟܕܘ ܫܐܠܬܢ
ܕܫܐܠܢ ܡܢܗ܂ 16 ܐܢ ܐܢܫ ܢܚܙܐ
ܠܐܚܘܗܝ ܕܚܛܐ ܚܛܝܬܐ ܕܠܐ ܡܚܝܒܐ
ܠܡܘܬܐ܆ ܢܫܐܠ ܘܡܬܝܗܒܝܢ ܠܗ
ܚܝܐ܂ ܠܐܝܠܝܢ ܕܠܐ ܗܘܐ ܐܝܟ ܕܠܡܘܬܐ
ܚܛܝܢ܂ ܐܝܬ ܓܝܪ ܚܛܝܬܐ ܕܡܘܬܐ܂ ܠܐ
ܗܘܐ ܥܠ ܗܝ ܐܡܪ ܐܢܐ ܕܢܒܥܐ ܐܢܫ܂
17 ܟܠ ܥܘܠܐ ܓܝܪ ܚܛܝܬܐ ܗܝ܂ ܘܐܝܬ
ܚܛܝܬܐ ܕܠܐ ܗܝ ܕܡܘܬܐ܂ 18 ܘܝܕܥܝܢܢ
ܕܟܠ ܕܝܠܝܕ ܡܢ ܐܠܗܐ ܠܐ ܚܛܐ܂ ܗܘ

וכל דלא אחיד לברה
דאלהא לית לה חיא :
13. הלין כתבת לכון
דתדעון דחיא דלעלם
אית לכון לאילין ד
דמהימנין בשמה דברה
דאלהא :
14. והנא פרהסיא אית
לן לותה דכל דשאלינן
לה איך צבינה שמע לן :
15. ואן מפסינן דשמע לן
על מדם דשאלינן מנה
מהימנינן דקבלין מן כ
כדו שאלתן דשאלן מנה :
16. אן אנש נחזא לאחוהי
דחטא חטיתא דלא
מחיבא למותא נשאל
ומתיהבין לה חיא ל
לאילין דלא הוא איך
דלמותא חטין אית גיר
חטיתא דמותא לא הוא
על הנא אמר אנא דנבעא
אנש :
17. כל עולא גיר חטיתא
הי ואית חטיתא דלא היא
דמותא הי :
18. וידעינן דכל דיליד מן
אלהא לא חטא הו ג

JUCHANON APOSTOLI Cap. V

[illegible]

ܓܝܪ ܕܝܠܝܕ ܡܢ ܐܠܗܐ ܢܛܪ ܢܦܫܗ.
ܘܒܝܫܐ ܠܐ ܡܬܩܪܒ ܠܗ. 19 ܝܕܥܝܢܢ
ܕܡܢ ܐܠܗܐ ܚܢܢ. ܘܥܠܡܐ ܟܠܗ
ܒܒܝܫܐ ܗܘ ܣܝܡ. 20 ܘܝܕܥܝܢܢ
ܕܒܪܗ ܕܐܠܗܐ ܐܬܐ: ܘܝܗܒ ܠܢ ܡܕܥܐ
ܕܢܕܥ ܠܫܪܝܪܐ. ܘܢܗܘܐ ܒܗ ܒܫܪܝܪܐ:
ܒܒܪܗ ܝܫܘܥ ܡܫܝܚܐ. ܗܢܐ ܗܘ
ܐܠܗܐ ܫܪܝܪܐ ܘܚܝܐ ܕܠܥܠܡ. 21
ܒܢܝ ܛܪܘ ܢܦܫܟܘܢ ܡܢ ܕܚܠܬ
ܦܬܟܪܐ ܀ ܀

ܫܠܡܬ ܐܓܪܬܐ ܕܝܘܚܢܢ ܫܠܝܚܐ ܀

גֵיר דִיליד מִן אלָהָא
נָטַר נַפשה וּבִישָׁא לָא
מֶתקַרַב לֵה:
19. יָדעִינַן דמִן אלָהָא
חנַן וְעָלמָא כֻלֵה ב
בבִישָׁא הו סִים:
20. וְיָדעִינַן דַברה דַאלָהָא
אֶתָא וִיהַב לַן מַדעָא
דנֵדַע לַשׁרִירָא וְנֶהוֵא
בֵה בַשׁרִירָא בַברה ישוע
משִיחָא הָנָא הו אַלָהָא
שַׁרִירָא וַחַיָא דַלעָלַם:
21. בנַי טַרו נַפשכון מֶן
דחֶלַת פַתכרֵא:

שְׁלַמַת אִגַּרְתָּא דיוחַנָן
שלִיחָא:

EPIST. JUCHAN. APOST. CAP. V.

enim natus eſt ex Deo, conſervat ſeipſum, & malus non appropinqvat ei. 19. Novimus qvod ex Deo ſumus, & mundus univerſus in malo eſt poſitus. 20. Et ſcimus qvod Filius Dei venit, & dedit nobis notitiam ut cognoſceremus veracem, & eſſemus in ipſo verace, in Filio ejus Jeſchua Chriſto. Hic eſt Deus verax, & vita qvæ eſt in æternum. 21. Filii mei, cuſtodite voſipſos à reverentia ſimulacrorum.

Finitur Epiſtola Juchanon Apoſtoli.

Ut ne reſtantes vacarent paginæ, ob affinitatem
Ejusd. Evangeliſtæ & Apoſtoli Johannis Evangelii
prima Verba, item Oratio Dominica huc
addita ſunt.

EVANGELII D. JOHANNIS PRINCIPIUM.

1. ܒܪܫܝܬ ܐܝܬܘܗܝ ܗܘܐ ܡܠܬܐ. ܘܗܘ ܡܠܬܐ
ܐܝܬܘܗܝ ܗܘܐ ܠܘܬ ܐܠܗܐ. ܘܐܠܗܐ ܐܝܬܘܗܝ ܗܘܐ ܗܘ
ܡܠܬܐ. 2 ܗܢܐ ܐܝܬܘܗܝ ܗܘܐ ܒܪܫܝܬ ܠܘܬ ܐܠܗܐ. 3 ܟܠ
ܒܐܝܕܗ ܗܘܐ. ܘܒܠܥܕܘܗܝ ܐܦܠܐ ܚܕܐ ܗܘܬ ܡܕܡ ܕܗܘܐ.
4 ܒܗ ܚܝܐ ܗܘܐ. ܘܚܝܐ ܐܝܬܘܗܝ ܢܘܗܪܐ ܕܒܢܝܢܫܐ.
5 ܘܗܘ ܢܘܗܪܐ ܒܚܫܘܟܐ ܡܢܗܪ: ܘܚܫܘܟܐ ܠܐ ܐܕܪܟܗ ܀
6 ܗܘܐ ܓܒܪܐ ܕܐܫܬܠܚ ܡܢ ܐܠܗܐ: ܫܡܗ ܝܘܚܢܢ.
7 ܗܢܐ ܐܬܐ ܠܣܗܕܘܬܐ ܕܢܣܗܕ ܥܠ ܢܘܗܪܐ. ܕܟܠܢܫ
ܢܗܝܡܢ ܒܐܝܕܗ. 8 ܠܐ ܗܘܐ ܗܘ ܗܘܐ ܢܘܗܪܐ. ܐܠܐ ܕܢܣܗܕ
ܥܠ ܢܘܗܪܐ. 9 ܐܝܬܘܗܝ ܗܘܐ ܓܝܪ ܢܘܗܪܐ ܕܫܪܪܐ:
ܕܡܢܗܪ ܠܟܠ ܒܪܢܫ ܕܐܬܐ ܠܥܠܡܐ. 10 ܒܥܠܡܐ ܗܘܐ.
ܘܥܠܡܐ ܒܐܝܕܗ ܗܘܐ. ܘܥܠܡܐ ܠܐ ܝܕܥܗ. 11 ܠܕܝܠܗ
ܐܬܐ. ܘܕܝܠܗ ܠܐ ܩܒܠܘܗܝ. 12 ܐܝܠܝܢ ܕܝܢ ܕܩܒܠܘܗܝ:
ܝܗܒ ܠܗܘܢ ܫܘܠܛܢܐ ܕܒܢܝܐ ܕܐܠܗܐ ܢܗܘܘܢ.
ܐܝܠܝܢ ܕܡܗܝܡܢܝܢ ܒܫܡܗ. 13 ܐܝܠܝܢ ܕܠܐ ܡܢ

ܕܡܐ. ܘܠܐ ܡܢ ܨܒܝܢܐ ܕܒܣܪܐ. ܘܠܐ ܡܢ ܨܒܝܢܐ ܕܓܒܪܐ
ܐܠܐ ܡܢ ܐܠܗܐ ܐܬܝܠܕܘ. 14 ܘܡܠܬܐ ܒܣܪܐ ܗܘܐ ܘܐܓܢ
ܒܢ. ܘܚܙܝܢ ܫܘܒܚܗ. ܫܘܒܚܐ ܐܝܟ ܕܝܚܝܕܝܐ
ܕܡܢ ܐܒܐ: ܕܡܠܐ ܛܝܒܘܬܐ ܘܩܘܫܬܐ ⁘

In principio erat Sermo & ipſe Sermo erat apud Deum. & Deus erat ipſe Sermo. 2. Hic erat in principio apud DEUM. 3. Omnia per manum ejus facta ſunt, & ſine eo, ne una qvidem *res* fuit qvæ facta fuit. 4. In eo vita erat, & vita erat Lux filiorum hominis. 5. Et ipſa Lux in tenebris lucet, & tenebræ non comprehenderunt eam. 6. Fuit filius hominis qvi miſſus eſt à DEO, cujus nomen Juchanon. 7. Hic venit in teſtimonium ut teſtaretur de Luce, ut unusqvisqve crederet per manum ejus. 8. Non ille erat Lux, ſed ut teſtaretur de Luce. 9. Erat enim *Sermo* Lux vera qvæ illuminat omnem hominem qvi veniat in mundum. 10. In mundo erat, & mundus per manum ejus factus eſt, & mundus non novit eum. 11. Ad ſuos venit, & ſui non receperunt eum. 12. Iis autem qvi acceperunt eum dedit poteſtatem, ut filii DEI fierent, iis qvi credunt in nomen ejus: 13. Qvi non ex ſangvine, neqve ex voluntate carnis, neqve ex voluntate viri, ſed ex DEO geniti ſunt. 14. Et Sermo Caro factus eſt: & habitavit inter nos, [& vidimus gloriam ejus, gloriam qvaſi unigeniti qvi *venit* à Patre] qvi plenus eſt gratiæ & veritatis.

ORATIO DOMINICA

ex Matth. Cap. VI. v. 9. ſeqq.

ܐܒܘܢ ܕܒܫܡܝܐ ܢܬܩܕܫ ܫܡܟ. 10 ܬܐܬܐ ܡܠ
ܟܘܬܟ. ܢܗܘܐ ܨܒܝܢܟ. ܐܝܟܢܐ ܕܒܫܡܝܐ.
ܐܦ ܒܐܪܥܐ. 11 ܗܒ ܠܢ ܠܚܡܐ ܕܣܘܢܩܢܢ
ܝܘܡܢܐ. 12 ܘܫܒܘܩ ܠܢ ܚܘܒܝܢ.
ܐܝܟܢܐ ܕܐܦ ܚܢܢ ܫܒܩܢ ܠܚܝܒܝܢ. 13 ܘܠܐ
ܬܥܠܢ ܠܢܣܝܘܢܐ. ܐܠܐ ܦܨܢ ܡܢ ܒܝܫܐ. ܡܛܠ
ܕܕܝܠܟ ܗܝ ܡܠܟܘܬܐ ܘܚܝܠܐ ܘܬܫܒܘܚܬܐ
ܠܥܠܡ ܥܠܡܝܢ ܀

Pater noſter qvi es in cœlis, ſanctificetur nomen tuum. 10. Veniat regnum tuum: fiat voluntas tua, ſicut in cœlis; etiam in terra. 11. Da nobis panem neceſſitatis noſtræ hodie. 12. Et remitte nobis debita noſtra, ſicut etiam nos remittimus debitoribus noſtris. 13. Et ne inducas nos in tentationem, ſed eripe nos à malo. Qvia tuum eſt regnum, & potentia, & gloria in ſeculum ſeculorum.

FINIS.

Digitized by Google

ܐܓܪܬܐ ܕܬܪܬܝܢ
ܕܝܘܚܢܢ ܀

[1] ܩܫܝܫܐ ܠܓܒܝܬܐ
ܩܘܪܝܐ ܘܠܒܢܝ̈ܗ
ܐܝܠܝܢ ܕܐܢܐ ܡܚܒ ܐܢܐ
ܒܫܪܪܐ . ܠܐ ܗܘܐ ܕܝܢ ܐܢܐ
ܒܠܚܘܕܝ . ܐܠܐ ܟܠܗܘܢ
ܐܝܠܝܢ ܕܝܕܥܝܢ ܠܫܪܪܐ .
[2] ܡܛܠ ܫܪܪܐ ܐܝܢܐ ܕܡܩܘܝܐ
ܒܢ ܘܥܡܢ ܐܝܬܘ̄ܗܝ ܠܥܠܡ.
[3] ܬܗܘܐ ܥܡܢ ܛܝܒܘܬܐ
ܘܪ̈ܚܡܐ ܘܫܠܡܐ ܡܢ
ܐܠܗܐ ܐܒܐ . ܘܡܢ ܝܫܘܥ
ܡܫܝܚܐ ܒܪܗ ܕܐܒܐ: ܒܫܪܪܐ
ܘܒܚܘܒܐ . [4] ܚܕܝܬ

אֶגַּרְתָּא דְתַרְתֵּין
דְּיוֹחַנָּן ׃

[1] קַשִׁישָׁא לַגְבִיתָא
קוּרִיָא וְלַבְנִיה אַילֵין
דַּאנָא מַאחֵב־אנָא
בַּשְׁרָרָא לָא־הְוָא דֵין
אנָא בַלְחוּד אֶלָּא כֻלְהוֹן
אַילֵין דְּיָדְעִין לַשְׁרָרָא .
[2] מֶטּל שְׁרָרָא אַינָא
דְּמְקַוֵּא בַּן וְעַמַּן אִיתַוהי
לְעָלַם . [3] תֶּהְוֵא עַמַּן
טַיבוּתָא וְרַחְמֵא וַשְׁלָמָא
מֵן אַלָהָא אַבָא וְמֵן
יַשּׁוּע מְשִׁיחָא בְּרֵה דַאבָא
בַּשְׁרָרָא וַבְחוּבָא. [4] חְדִית

Epiſtola ſecunda JOHANNIS.

[1] Ὁ Πρεσβύτερος Ἐκλεκτῇ κυρίᾳ καὶ τοῖς τέκνοις αὐτῆς, οὓς ἐγὼ ἀγαπῶ ἐν ἀληθείᾳ, καὶ οὐκ ἐγὼ μόνος, ἀλλὰ καὶ πάντες οἱ ἐγνωκότες τὴν ἀλήθειαν. [2] Διὰ τὴν ἀλήθειαν τὴν μένουσαν ἐν ἡμῖν, καὶ μεθ' ἡμῶν ἔσται εἰς τὸν αἰῶνα. [3] Ἔσται μεθ' ἡμῶν χάρις, ἔλεος, εἰρήνη, παρὰ Θεοῦ πατρὸς καὶ παρὰ Κυρίου Ἰησοῦ Χριστοῦ τοῦ υἱοῦ τοῦ πατρὸς ἐν ἀληθείᾳ καὶ ἀγάπῃ. [4] Ἐχάρην

[1] Senior Electæ Dominæ & filiis ejus, illis quos ego amo in veritate, nequaquam autem ego ſolus, ſed omnes illi qui norunt veritatem. [2] Propter veritatē quę manet in nobis, & nobiſcum eſt in ſæculum. [3] Sit nobiſcū gratia & miſericordia & pax, a Deo patre, & à Ieſu Chriſto filio Patris, in veritate & dilectione. [4] Gavisus ſum

סַגִי דְאֶשְׁכְחֵת מֵן בְנַיכְי
דַמְהַלְכִין בַשְׁרָרָא .
אַיכַנָא דְפוּקְדָנָא נְסַבְן
מֵן אַבָא . [5] וְהָשָׁא
מְפִיס־אֶנָא לְכְי קוּרִיַא
לָא פוּקְדָנָא חַדְתָא כָתֵב־
אֶנָא לֵכִי אֶלָא הַו דְאִית־
הוָא לַן מֵן שוּרָיָא דְנַאחֵב
חַד לְחַד. [6] וְהָנָא אִיתַוהִי
חוּבָא דַנְהֵלֵךְ אַיךְ
פוּקְדָנָא הָנָא פוּקְדָנָא
אִיתַוהִי אַיךְ מָא דַשְׁמַעְתוּן
מֵן שוּרָיָא דְבֵה הֲוֵיתוּן
מְהַלְכִין. [7] מֶטֻל דְסַגִיאָא
מַטְעְיָנֵא נְפַקוּ בְה
בְעָלְמָא אַיְלֵין דְלָא

ܛܒ : ܕܐܫܟܚܬ ܡܢ
ܒܢܝܟܝ ܕܡܗܠܟܝܢ
ܒܫܪܪܐ . ܐܝܟܢܐ ܕܦܘܩܕܢܐ
ܢܣܒܢ ܡܢ ܐܒܐ. [5] ܘܗܫܐ
ܡܦܝܣ ܐܢܐ ܠܟܝ: ܩܘܪܝܐ.
ܠܐ ܦܘܩܕܢܐ ܚܕܬܐ ܟܬܒ ܐܢܐ
ܠܟܝ : ܐܠܐ ܗܘ ܕܐܝܬ ܗܘܐ
ܠܢ ܡܢ ܫܘܪܝܐ . ܕܢܐܚܒ
ܚܕ ܠܚܕ . [6] ܘܗܢܐ ܐܝܬܘ
ܚܘܒܐ. ܕܢܗܠܟ ܐܝܟ ܦܘܩܕܢܐ
ܗܢܐ ܦܘܩܕܢܐ ܐܝܬܘܗܝ ܐܝܟ
ܡܐ ܕܫܡܥܬܘܢ ܡܢ ܫܘܪܝܐ:
ܕܒܗ ܗܘܝܬܘܢ ܡܗܠܟܝܢ.
[7] ܡܛܠ ܕܣܓܝܐܐ
ܡܛܥܝܢܐ ܢܦܩܘ ܒܗ
ܒܥܠܡܐ. ܐܝܠܝܢ ܕܠܐ

multum quod invenerim è filiis tuis, qui ambulent in veritate, quemadmodũ mandatum accepimus à Patre.[5] Et nunc hortor ego te, Domina, non mandatum novũ ſcribo ego tibi, ſed illud quod fuit nobis à principio, vt amemus invicem. [6] Et hæc eſt dilectio, vt ambulemꝰ ſecundũ mandatum. Hoc eſt mandatũ, ſecundum quod audiſtis à principio, vt in eo ambuletis. 7 Quoniam multi ſeductores prodierunt in mundũ, illi qui non confi-

λίαν ὅτι εὕρηκα ἐκ τῶν τέκνων σου περιπατοῦντας ἐν ἀληθείᾳ, καθὼς ἐντολὴν ἐλάβομεν παρὰ τοῦ πατρός. [5] Καὶ νῦν ἐρωτῶ σε, Κυρία, οὐχ ὡς ἐντολὴν γράφων σοι καινὴν, ἀλλὰ ἣν εἴχομεν ἀπ᾽ ἀρχῆς, ἵνα ἀγαπῶμεν ἀλλήλους. 6 Καὶ αὕτη ἐστὶν ἡ ἀγάπη ἵνα περιπατῶμεν κατὰ τὰς ἐντολὰς αὐτοῦ. αὕτη ἐστὶν ἡ ἐντολὴ, καθὼς ἠκούσατε ἀπ᾽ ἀρχῆς, ἵνα ἐν αὐτῇ περιπατῆτε. 7 Ὅτι πολλοὶ πλάνοι εἰσῆλθον εἰς τὸν κόσμον, οἱ μὴ ὁμολο-

ܡܘܕܝܢ ܕܝܫܘܥ ܡܫܝܚܐ
ܐܬܐ ܒܒܣܪܐ: ܗܢܐ ܐܝܬܘܗܝ
ܡܛܥܝܢܐ ܘܐܢܛܝܟܪܝܣܛܘܣ.
8 ܐܙܕܗܪܘ ܒܢܦܫܟܘܢ. ܕܠܐ
ܬܘܒܕܘܢ ܡܕܡ ܕܦܠܚܬܘܢ.
ܐܠܐ ܐܓܪܐ ܡܫܡܠܝܐ
ܬܬܦܪܥܘܢ. 9 ܟܠ ܐܢܫ
ܕܥܒܪ: ܘܠܐ ܡܩܘܐ ܒܝܘܠܦܢܐ
ܕܡܫܝܚܐ. ܐܠܗܐ ܠܝܬ ܠܗ
ܒܗ. ܗܘ ܕܡܩܘܐ
ܒܝܘܠܦܢܗ: ܗܢܐ
ܘܠܐܒܐ ܘܠܒܪܐ ܐܝܬ ܠܗ.
10 ܐܢ ܐܢܫ ܐܬܐ ܠܘܬܟܘܢ:
ܘܗܢܐ ܝܘܠܦܢܐ ܠܐ ܡܝܬܐ.
ܠܐ ܬܩܒܠܘܢܝܗܝ ܒܒܝܬܐ.
ܘܚܕܝ ܠܟ ܘܚܕܝ ܠܐ ܬܐܡܪܘܢ

מורין דישוע משיחא
אתא בבסרא הנא איתוהי
מטעינא ואנטיכריסטוס
8 אזדהרו בנפשכון דלא
תובדון מדם דפלחתון
אלא אגרא משלמנא
תתפרעון. 9 כל אינא
דעבר ולא מקוא ביולפנה
דמשיחא אלהא לית
בה. הו דמקוא ביולפנה
הנא ולאבא ולברא אית
לה. 10 אן־אנש אתא
לותכון והנא יולפנא
לא מיתא לא תקבלוניהי
בביתא וחדי לך ו
וחדי לא תאמרון

ὁμολογοῦντες Ἰησοῦν Χριστὸν ἐρχόμενον ἐν σαρκί· οὗτός ἐστιν ὁ πλάνος καὶ ὁ ἀντίχριστος. 8 Βλέπετε ἑαυτούς, ἵνα μὴ ἀπολέσητε ἃ εἰργασάμεθα, ἀλλὰ μισθὸν πλήρη ἀπολάβητε. 9 Πᾶς ὁ παραβαίνων, καὶ μὴ μένων ἐν τῇ διδαχῇ τοῦ Χριστοῦ, Θεὸν οὐκ ἔχει· ὁ μένων ἐν τῇ διδαχῇ τοῦ Χριστοῦ, οὗτος καὶ τὸν πατέρα καὶ τὸν υἱὸν ἔχει. 10 Εἴ τις ἔρχεται πρὸς ὑμᾶς, καὶ ταύτην τὴν διδαχὴν οὐ φέρει, μὴ λαμβάνετε αὐτὸν εἰς οἰκίαν, καὶ χαίρειν αὐτῷ

tentur quod Ieſus Chriſtus venerit in carne; hic eſt ſeductor & Antichriſtus. 8 Cavete vobis ipſis ne perdatis quicquam quod operari ſitis, ſed mercede plena remuneremini. 9 Quicunq; tranſgreditur & non manet in doctrina Chriſti, Deus non eſt in eo. Ille qui manet in doctrinâ ejus, & Patrẽ & Filium habet. 10 Si quiſquam venerit ad vos, & hanc doctrinam non attulerit, ne recipiatis eum in domum, & ſalve tibi & vale ne dicatis

ܠܗ. [11] ܗܘ ܓܝܪ ܕܐܡܪ
ܠܗ ܚܕܝ ܡܫܬܘܬܦ
ܠܥܒܕܘܗܝ ܒܝܫܐ.
[12] ܟܕ ܣܓܝܐܬܐ ܐܝܬ ܗܘܐ
ܠܝ ܠܡܟܬܒ ܠܟܘܢ.
ܠܐ ܒܥܝܬ ܕܒܝܕ ܟܪܛܝܣܐ
ܘܕܝܘܬܐ. ܐܠܐ ܡܣܒܪ ܐܢܐ
ܕܐܬܐ ܠܘܬܟܘܢ: ܘܦܘܡܐ
ܠܘܬ ܦܘܡܐ ܢܡܠܠ. ܕܚܕܘܬܐ
ܕܝܠܢ ܬܗܘܐ ܡܫܡܠܝܐ.
[13] ܫܐܠܝܢ ܒܫܠܡܟܝ
ܒܢܝܐ ܕܚܬܟܝ ܓܒܝܬܐ.
ܛܝܒܘܬܐ ܥܡܟܘܢ. ܐܡܝܢ ܀
ܫܠܡܬ ܐܓܪܬܐ ܕܬܪܬܝܢ
ܕܝܘܚܢܢ ܫܠܝܚܐ ܀

לֵה. [11] הֵו גֵיר דְאָמַר לֵה
חְדִי מֶשְׁתַוְתַף לַעְבָדַוהִי
בִּישֵׁא. [12] כַּד סַגִּיאָתָא
אִית־הֲוָא לִי לְמֶכְתַּב
לְכוֹן לָא בְּעִית דַבְיַד
כַּרְטִיסָא וַדְיוּתָא אֶלָא
מְסַבַּר־אֲנָא דְאֵתֵא
לְוָתְכוֹן וּפוּמָא לְוָת פּוּמָא
נְמַלֵּל דְחַדוּתָא דִילַן
תֶהֱוֵא מְשַמְלְיָא.
[13] שָׁאלִין שְׁלָמֵכִי בְנַיָא
דְחָתֵכִי גְבִיתָא. טַיבוּתָא
עַמְכוֹן. אַמִין.

שְׁלֶמַת אֶגַּרְתָּא דְתַרְתֵּין
דְיוחַנָן שְׁלִיחָא.

dicatis ei. [11] Ille enim qui dixerit illi, Salve, particeps ſit operum ejus malorũ. [12] Cum multa habeam quę ſcribam vobis, nolui per chartam & atramentum, ſed ſpero quod perveniam ad vos, & ore ad os loquemur, ut gaudium noſtrum ſit completum. [13] Salutant te filii ſororis tuæ electæ. Gratia vobiſcum.

AMEN.

μὴ λέγετε. [11] Ὁ γὰρ λέγων αὐτῷ, χαίρειν κοινωνεῖ τοῖς ἔργοις αὐτοῦ τοῖς πονηροῖς. [12] Πολλὰ ἔχων ὑμῖν γράφειν, οὐκ ἐβουλήθην διὰ χάρτου καὶ μέλανος· ἀλλὰ ἐλπίζω ἐλθεῖν πρὸς ὑμᾶς, καὶ στόμα πρὸς στόμα λαλῆσαι ἵνα ἡ χαρὰ ἡμῶν ᾖ πεπληρωμένη. [13] Ἀσπάζεταί σε τὰ τέκνα τῆς ἀδελφῆς σου τῆς Ἐκλεκτῆς.

ἈΜΉΝ.

FINITA
eſt Epiſtola ſecunda Ioannis Apoſtoli.

ܟܪܬܐ

ܐܓܪܬܐ ܕܬܠܬ
ܕܝܘܚܢܢ.

[1] ܩܫܝܫܐ ܠܓܐܝܘܣ
ܚܒܝܒܝ ܠܗܘ ܕܐܢܐ ܡܚܒ
ܐܢܐ ܒܫܪܪܐ. [2] ܚܒܝܒܢ
ܒܟܠܡܕܡ ܡܨܠܐ ܐܢܐ
ܥܠܝܟ. ܕܬܨܠܚ ܘܬܗܘܐ
ܚܠܝܡ. ܐܝܟܢܐ ܕܡܨܠܚܐ
ܢܦܫܟ. [3] ܚܕܝܬ ܓܝܪ
ܛܒ ܕܐܬܘ ܐܚܐ ܘܐܣܗܕܘ
ܥܠ ܫܪܪܟ ܐܝܟ ܡܐ ܕܐܢܬ
ܒܫܪܪܐ ܡܗܠܟ ܐܢܬ.
[4] ܘܪܒܐ ܡܢ ܗܕܐ ܚܕܘܬܐ
ܠܝܬ ܠܝ. ܕܐܫܡܥ
ܕܒܢܝܐ ܕܝܠܝ ܒܫܪܪܐ

אֶגְרְתָא דִתְלָת
דְיוּחַנָן :

[1] קַשִׁישָׁא לְגָאיוּס
חַבִיבִי לְהַו דַאנָא מַאחֵבאַנָא בַשְׁרָרָא . [2] חַבִיבַן
בְכֻלְמֶדֶם מְצַלֵא־אֶנָא
עְלַיךְ וְתֶצְלַח וְתֶהְוֵא
חְלִים אַכְמָא דְמַצְלְחָא
נַפְשָׁךְ . [3] חְדִית גֵיר
סַגִי דָאתֵין אַחֵא וְסָהְדִין
עַל שְׁרָרָךְ אַיךְ מָא דַאנתְ
בַשְׁרָרָא מְהַלֵךְ אַנתְ .
[4] וַרְבָא מֵן הָדֵא
חַדוּתָא לַית לִי דְאֶשְׁמַע
דַבְנַיָא דִילִי בַשְׁרָרָא

Epiſtola tertia JOANNIS.

[1] Ὁ πρεσβύτερος Γαΐῳ τῷ ἀγαπητῷ, ὃν ἐγὼ ἀγαπῶ ἐν ἀληθείᾳ. [2] Ἀγαπητέ, περὶ πάντων εὔχομαί σε εὐοδοῦσθαι καὶ ὑγιαίνειν, καθὼς εὐοδοῦταί σου ἡ ψυχή. [3] Ἐχάρην γὰρ λίαν ἐρχομένων ἀδελφῶν καὶ μαρτυρούντων σου τῇ ἀληθείᾳ, καθὼς σὺ ἐν ἀληθείᾳ περιπατεῖς. [4] Μειζοτέραν τούτων οὐκ ἔχω χαράν, ἵνα ἀκούω τὰ ἐμὰ τέκνα ἐν ἀληθείᾳ

[1] SEnior Gajo dilecto meo, quem diligo in veritate. [2] Dilecte noſter, in omni re oro pro te vt proſpereris & ſis ſanus, quemadmodũ proſperatur anima tua. [3] Gavisus enim ſum multũ quod veniant fratres & teſtimoniũ perhibeant de veritate tua, quemadmodũ tu in veritate ambulas. [4] Et maj' hoc gaudiũ non eſt mihi quã ut audiam quod filij mei in veritate

מְהַלְכִין חַבִיבַן בְּהַיְמָנוּתָא עָבֵד אַנְתְּ הַו מָא דְסָעַר אַנְתְּ לְוָת אַחֵא וְיַתִירָאִית דְאִיתַיְהוּן אַכְסְנָיֵא . 6 אַיְלֵין דַאסְהֶדְו עַל חוּבָךְ קֳדָם כֻּלָּה עִדְתָּא לְהָנוּן דְשַׁפִּיר עָבֵד אַנְתְּ לְהוּן . אַכְמָא דַפְאֵא לַאלָהָא . 7 בָּתַר גֵּיר שְׁמֵה נְפַקְו כַּד מֶדֶם לָא נְסַבְו מֶן עַמְמַא . 8 חְנַן הָכִיל חַיָבִינַן לְמַקַבָּלוּ לְדַאיךְ הָלֵין דַמְעַדְרָנֵא נֶהְוֵא לַשְׁרָרָא. 9 בָּעֵא-הְוִית אֶכְתּוּב לְעִדְתָּא אֶלָא הַו דְרָחֵם

ܡܗܠܟܝܢ. 5 ܚܒܝܒܢ ܒܗܝܡܢܘܬܐ ܥܒܕ ܐܢܬ ܗܘ ܡܐ ܕܣܥܪ ܐܢܬ ܠܘܬ ܐܚܐ: ܘܝܬܝܪܐܝܬ ܕܐܝܬܝܗܘܢ ܐܟܣܢܝܐ: 6 ܐܝܠܝܢ ܕܐܣܗܕܘ ܥܠ ܚܘܒܟ ܩܕܡ ܟܠܗ ܥܕܬܐ. ܠܗܘܢ ܕܫܦܝܪ ܥܒܕ ܐܢܬ ܠܗܘܢ: ܐܟܡܐ ܕܦܐܐ ܠܐܠܗܐ. 7 ܒܬܪ ܓܝܪ ܫܡܗ ܢܦܩܘ ܟܕ ܡܕܡ ܠܐ ܢܣܒܘ ܡܢ ܥܡܡܐ. 8 ܚܢܢ ܗܟܝܠ ܚܝܒܝܢ ܠܡܩܒܠܘ ܠܕܐܝܟ ܗܠܝܢ ܕܡܥܕܪܢܐ ܢܗܘܐ ܠܫܪܪܐ. 9 ܒܥܐ ܗܘܝܬ ܐܟܬܘܒ ܠܥܕܬܐ. ܐܠܐ ܗܘ ܕܪܚܡ

ambulent. 5 Dilecte noſter, in fide agis illud quod facis erga fratres, & maximè * *quod* ſint peregrini. 6 Illi qui teſtati ſunt de charitate tua, coram tota Eccleſia, quibus benè facis, ſecundum quod dignum eſt Deo. 7 Poſt nomen enim ejus exierunt, cum nihil acceperint à Gentibus. 8 Nos igitur debemus recipere tales, ut adjutores ſimus veritati. 9 Voluiſſem ſcribere Eccleſiæ, ſed ille qui amat ut ſit

*qui.

περιπατῶσιν. 5 Ἀγαπητὲ πιστὸν ποιεῖς ὃ ἐὰν ἐργάσῃ εἰς τοὺς ἀδελφοὺς, εἰς καὶ τοὺς ξένους. 6 Οἳ ἐμαρτύρησάν σου τῇ ἀγάπῃ ἐνώπιον τῆς ἐκκλησίας· οὓς καλῶς ποιήσεις προπέμψας ἀξίως τοῦ Θεοῦ. 7 Ὑπὲρ γὰρ τοῦ ὀνόματος αὐτοῦ ἐξῆλθον, μηδὲν λαμβάνοντες ἀπὸ τῶν ἐθνῶν. 8 Ἡμεῖς οὖν ὀφείλομεν ἀπολαμβάνειν τοὺς τοιούτους, ἵνα συνεργοὶ γινώμεθα τῇ ἀληθείᾳ. 9 Ἔγραψα τῇ ἐκκλησίᾳ, ἀλλ᾽ ὁ φιλο-

ܕܢܗܘܐ ܪܝܫܐ ܕܝܠܗܘܢ.
ܕܝܘܛܪܦܣ ܠܐ ܡܩܒܠ
ܠܢ. 10 ܡܛܠ ܗܢܐ ܐܢܗܘ
ܕܐܬܐ. ܥܗܕ ܥܒ̈ܕܘܗܝ ܗܢܘܢ
ܕܥܒܕ ܕܒܡ̈ܠܐ ܒܝܫܬܐ ܣܥܪ
ܠܢ. ܘܟܕ ܠܐ ܣܦܩ ܠܗ
ܗܠܝܢ. ܠܐ ܗܘ ܡܩܒܠ
ܠܐܚܐ. ܘܠܐܝܠܝܢ ܕܡܩܒܠܝܢ
ܟܠܐ. ܘܡܦܩ ܐܦ ܡܢ ܥܕܬܐ.
11 ܚܒܝܒܢ. ܠܐ ܬܬܕܡܐ
ܒܒܝܫܬܐ ܐܠܐ ܒܛܒܬܐ. ܗܘ
ܕܥܒܕ ܛܒܬܐ ܡܢ ܐܠܗܐ
ܐܝܬܘܗܝ. ܘܗܘ ܕܥܒܕ ܒܝܫܬܐ
ܠܐ ܚܙܝܗܝ ܠܐܠܗܐ. 12 ܥܠ
ܕܝܡܛܪܝܘܣ ܐܝܬܘܗܝ ܣܗܕܘܬܐ
ܡܢ ܟܠܢܫ. ܘܡܢܗ ܕܥܕܬܐ

וְנֶהֱוֵא קַדְמָיָא דִילְכוֹן.
דִיָואטְרַפַאס לָא מְקַבֵל לַן
10 מְטֻל הָנָא אֶנְהוּ דֵאתָא
עֵהַד עְבָדוּהִי הָנוּן דַעְבַד
דַבְמַלֵא בִישְׁתָא סָעַר לַן
וְכַד לָא סָפֵק לַה חָלֵין לָא
הוּ מְקַבֵל לַאחַא וְלַאילֵין
דִמְקַבְלִין כָלַא וְמַפֵק אָף
מֵן עִדְתָא. 11 חַבִיבַן לָא
תֶתְדַמֵא בְבִישְׁתָא אֶלָא
בְטָבְתָא. הַו דְעָבֵד טָבְתָא
מֵן אַלָהָא אִיתַוהִי. וְהַי
דְעָבֵד בִישְׁתָא לָא חֶזְיָהִי
לַאלָהָא. 12 עַל דִימֶטְרִיָוס
אִית־הוּ סַהְדוּתָא מֵן
כְלְנָשׁ וְמֶנָה דְעִדְתָא

φιλοπρωτεύων αὐτῶν Διοτρεφὴς οὐκ ἐπιδέχεται ἡμᾶς· 10 Διὰ τοῦτο ἐὰν ἔλθω ὑπομνήσω αὐτοῦ τὰ ἔργα ἃ ποιεῖ, λόγοις πονηροῖς φλυαρῶν ἡμᾶς· καὶ μὴ ἀρκούμενος ἐπὶ τούτοις, οὔτε αὐτὸς ἐπιδέχεται τοὺς ἀδελφοὺς, καὶ τοὺς βουλομένους κωλύει, καὶ ἐκ τῆς ἐκκλησίας ἐκβάλλει. 11 Ἀγαπητὲ μὴ μιμοῦ τὸ κακὸν, ἀλλὰ τὸ ἀγαθόν. ὁ ἀγαθοποιῶν ἐκ τοῦ Θεοῦ ἐστιν· ὁ δὲ κακοποιῶν οὐχ ἑώρακε τὸν Θεόν. 12 Δημητρίῳ μεμαρτύρηται ὑπὸ πάντων,

primꝰ inter vos Diotrephas non recipit nos. 10 Propterea ſi venerit, mentionẽ fac operũ ejus iſtorũ quæ fecit, quæ verbis malis facit nobis. Et cum hæc ei non ſufficiant, nõ recipit fratres, & recipientes prohibet, & ejicit etiam ex eccleſia. 11 Dilecte noſter ne imiteris malum ſed bonum. Ille qui facit bonum à Deo eſt, & ille qui facit malum non vidit Deum. 12 De Demetrio eſt teſtimonium ab unoquoque & ab ipſa Eccleſia,

&

וְמֶנֵה דַשְׁרָרָא . אָפְחַנַן
דֵין סָהְדִינַן וְיָדְעִין אַנתוּן
דְסָהְדוּתָא דִילַן שַׁרִירָאהִי
[13] סַגִּיאָתָא אִית־הוָא לִי
לְמֶכְתַב לָךְ אֶלָא לָא בָעֵא
־אנָא דַבְיַד דְיוּתָא וְקַנְיָא
אֶכְתוּב לָךְ . [14] מְסַבַר־
אנָא דֵין דְבַעְגַל אֶחְזֵיךְ
וְפוּמָא לְוָת פוּמָא נְמַלֵל .
[15] שְׁלָמָא נֶהֱוֵא עַמָךְ .
שָׁאלִין שְׁלָמָךְ רָחְמֵא
שַׁאל שְׁלָמָא דְרָחְמֵא
כְלְנָש בַשְׁמֵה .

שְׁלַמַת אֶגַרְתָא דַתְלָת
דְיוּחַנָן שְׁלִיחָא צְלוּתֵה
עַמַן אָמִין .

ܘܡܢܗ ܕܫܪܪܐ . ܐܦܚܢܢ ܕܝܢ
ܣܗܕܝܢܢ . ܘܝܕܥܝܢ ܐܢܬܘܢ
ܕܣܗܕܘܬܐ ܕܝܠܢ ܫܪܝܪܐ ܗܝ
[13] ܣܓܝܐܬܐ ܐܝܬ ܗܘܐ ܠܝ
ܠܡܟܬܒ ܠܟ . ܐܠܐ ܠܐ ܒܥܐ
ܐܢܐ ܕܒܝܕ ܕܝܘܬܐ ܘܩܢܝܐ
ܐܟܬܘܒ ܠܟ . [14] ܡܣܒܪ
ܐܢܐ ܕܝܢ ܕܒܥܓܠ ܐܚܙܝܟ
ܘܦܘܡܐ ܠܘܬ ܦܘܡܐ
ܢܡܠܠ . [15] ܫܠܡܐ ܢܗܘܐ
ܥܡܟ . ܫܐܠܝܢ ܫܠܡܟ
ܪܚܡܐ . ܫܐܠ ܫܠܡܐ
ܕܪܚܡܐ ܟܠܢܫ ܒܫܡܗ ܀

ܫܠܡܬ ܐܓܪܬܐ ܕܬܠܬ
ܕܝܘܚܢܢ ܫܠܝܚܐ ܨܠܘܬܗ
ܥܡܢ ܐܡܝܢ ܀

& ab ipſa veritate; ſed etiã nos teſtamur, & noſtis quod teſtimonium noſtrũ verum ſit. [13] Multa habebam quæ ſcriberẽ tibi. ſed nolo ut per atramentum & calamum ſcribam tibi. [14] Spero autem quod citò videbo te, & os ad os loquemur. [15] Pax ſit tecum. Salutant te amici. Saluta amicorum unumquemque nominatim.

καὶ ὑπ᾽ αὐτῆς τῆς ἀληθείας· καὶ ἡμεῖς δὲ μαρτυροῦμεν, καὶ οἴδατε ὅτι ἡ μαρτυρία ἡμῶν ἀληθής ἐστι. [13] Πολλὰ εἶχον γράφειν, ἀλλ᾽ οὐ θέλω διὰ μέλανος καὶ καλάμου σοι γράψαι. [14] Ἐλπίζω δὲ εὐθέως ἰδεῖν σε, καὶ στόμα πρὸς στόμα λαλήσομεν. [15] Εἰρήνη σοι. Ἀσπάζονταί σε οἱ φίλοι. Ἀσπάζου τοὺς φίλους κατ᾽ ὄνομα.

FINITA

eſt Epiſtola tertia Iohannis Apoſtoli. Oratio eius nobiſcum. AMEN.

ܐܓܪܬܐ

A01 11.6 649